राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 कोलकाता-लखनऊ आईपीएल मैच 6 की बजाय... | सम्पादकीय जम्मू-कश्मीर में कब थमेगा आतंक.... | ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टुअर्ट लॉ बने नेपाल... 5

वर्ष 19 ● अंक 41 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online भोपाल, रविवार 30 मार्च 2025 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpresshe@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

विक्रम सम्वत्: प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और विकास का उत्सव

भारतीय नववर्ष की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं...

आज से विक्रम सम्वत् 2082 आरंभ हुआ है। यह प्रदेशवासियों के लिये गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् के उज्जयिनी से शुरू हुआ। यह सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक की तिथि है। सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन किया था। न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ, वीरता और गंभीरता जैसी विशेषताओं के लिए सम्राट विक्रमादित्य को समूचे विश्व में स्मरण किया जाता है। उन्होंने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को 'सिंहासन बत्तीसी' कहा जाता है।

भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम बनाने का समय है। इसे कहीं 'गुड़ी पड़वा' तो कहीं 'चैती चांद', कहीं 'युगादि' तो कहीं 'उगादि' और कहीं 'नवरोज अगदु' के रूप में मनाया जाता है। विविध स्वरूपों में मनाया जाने वाला नववर्ष का यह पर्व 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को स्थापित करता है। इसके साथ नवरात्र का आरंभ होता है। यह नौ दिन आरोग्य, साधना और कायाकल्प के लिए होते हैं।

नवसम्वत्सर की तिथि सृष्टि निर्माण की तिथि है। इसका निर्धारण संपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ हुआ है। इसे मनाने की परंपरा व्यक्ति, परिवार और समाज, तीनों के स्वस्थ जीवन और समृद्धि को ध्यान में रखकर शुरू की गई। यह हमारे पूर्वजों के शोध की विशेषता है कि हजारों वर्ष पहले पूर्वजों को ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का पूर्ण ज्ञान था और इस गणना को ही वैदिक घड़ी कहा गया है। बाबा महाकाल की नगरी विश्व में कालगणना का केंद्र रही है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उज्जैन की वेधशाला में स्थित विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की पुनर्स्थापना की है।

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण के लिए हम विक्रमोत्सव का आयोजन कर रहे हैं। विक्रमोत्सव हमारी गौरवशाली विरासत और वर्तमान के विकास का उत्सव है। यह उत्सव 26 फरवरी से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। इस 125 दिन तक चलने वाले उत्सव में विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों के साथ सम्राट विक्रमादित्य के समूचे व्यक्तित्व, कृतित्व और विशेषताओं को परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित एक भव्य आयोजन होने जा रहा है।

श्रीकृष्ण की दीक्षा नगरी उज्जयिनी का संबंध भारत की हर विशेषता से है। उज्जैन धरती के केन्द्र में स्थित है। यहां भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम में शिक्षा प्राप्त की थी। मध्यप्रदेश सरकार ने संकल्प लिया है कि सांदीपनि आश्रम से श्रीकृष्ण पाथेय के निर्माण का आरंभ होगा।

मध्यप्रदेश का 2025-26 का बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को केन्द्र में रखकर प्रस्तुत किया गया है। इसमें विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण की अवधारणा अनुसार बजट को बहुआयामी स्वरूप दिया गया है। हमारा यह बजट मध्यप्रदेश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए बनाये रोडमैप के संकल्प की पूर्ति के लिए है। इसमें आर्थिक सुधार, सामाजिक न्याय, सतत् विकास के साथ प्रधानमंत्री जी का मंत्र, ज्ञान, (GYAN) पर ध्यान शामिल है। ज्ञान के चारों स्तंभों को सशक्त करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान हैं। इसमें गरीब कल्याण (G) में अंत्योदय की अवधारणा को साकार किया जायेगा। युवा शक्ति (Y) में कौशल विकास, प्रशिक्षण तथा रोज़गार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। अन्नदाता (A) में किसानों की आय में वृद्धि करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। नारी शक्ति (N) में महिलाओं को समग्र रूप से सशक्त बनाने के लिए आयोजना बनाई गई है।

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमें विरासत से विकास का सूत्र दिया है। उनके नेतृत्व में समाज, प्रदेश और देश को सशक्त बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अपनी तरह से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री जी के लोकल फॉर वोकल के संकल्प को आकार देने के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इंडस्ट्री समिट में प्राप्त प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जायेगा। इससे मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की विशेषता, क्षमता और दक्षता विश्व स्तर तक पहुंचेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने के लिए हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

गुड़ी पड़वा के अवसर पर हमारी परंपरा में सूर्योदय के पहले बहते हुए स्वच्छ जल में स्नान करने का विधान है। ऊषाकाल में सूर्य को प्रणाम किया जाता है। यह जलस्रोत के प्रवाह स्थल को सुरक्षित रखने का संकल्प है। प्रकृति के इस संदेश को स्वरूप प्रदान करते हुए हम प्राकृतिक स्रोतों की सुरक्षा के लिए आज से जल गंगा अभियान शुरू कर रहे हैं। इसकी शुरुआत उज्जैन के क्षिप्रा तट से होने जा रही है। इसमें जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जलस्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अंतर्गत 1 लाख जलदूत तैयार किये जायेंगे। लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे। प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जलस्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। यह अभियान आज से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। ऋतुकाल संधि के इन दिनों में नवचेतना, नवजागृति का संदेश है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रकृति के नवसृजन और विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लेता हूं। मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष आरंभ होने वाले विशेष प्रयास आप सभी के जीवन में समृद्धि, खुशहाली और आनंद लेकर आएंगे। यह वर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो, शुभ हो। एक बार पुनः भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं।

प्रस्तुति
डॉ. मोहन यादव
(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

मेरे लिए हर आवेदन सोने के समानः केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

अशोकनगर कलेक्ट्रेट में आयोजित हुआ केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का जनसुनवाई शिविर

गुड्डी बाई नाम की महिला ने समस्या का निराकरण होने पर सिंधिया को भावुक होकर गले लगाया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अशोकनगर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र के चार दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के दौरान अशोकनगर स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे, जहां जन सुनवाई शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय जन समुदाय ने अपनी समस्याओं को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। गौरतलब रहे कि सिंधिया के इस तरह के शिविर पहले भी सफलतापूर्वक चंदेरी और मुंगावली में आयोजित किए जा चुके हैं।

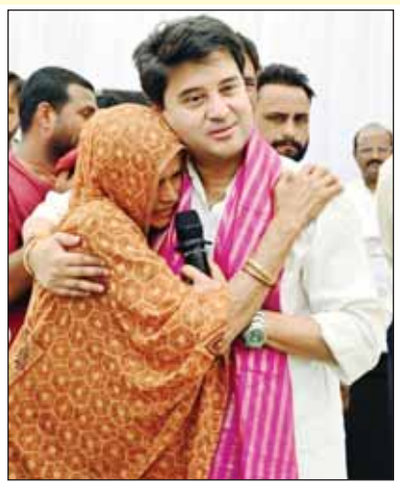

200 समस्याओं का तत्काल समाधान, 800 नए आवेदनों को मिली स्वीकृति

जन सुनवाई के दौरान स्थानीय निवासियों के 200 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया और 800 नए आवेदनों को सिंधिया ने स्वयं स्वीकार किया । उन्होंने बताया कि इन सभी आवेदनों का ऑनलाइन पंजीकरण होगा जिससे आप इनको ट्रैक भी कर सकते हैं।

एक एक आवेदन सोने के समान

सिंधिया ने कहा कि 'मेरे लिए एक एक आवेदन सोने के सामान है।' उन्होंने गंभीरता से सभी की समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान के लिए डीएम को निर्देशित किया और कहा कि मुझे इनका समाधान चाहिए जैसा चंदेरी और मुंगावली में किया गया है। सिंधिया ने अपने सामने ही सारे आवेदनों को बैग में सुरक्षित रखवा लिया।

तुम चिंता मत करो, मैं तुम्हारे साथ हूं: सिंधिया

जन सुनवाई के दौरान गुड्डीबाई और नरेंद्र पांडेय जैसे कई पीड़ित सामने आए। नरेंद्र पांडेय ने बताया कि उनके दादाजी की हत्या के बाद उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया। उन्होंने नामांतरण की गुहार लगाई। ... शेष पृष्ठ 5 पर

लाखों भक्तों ने किये शनिदेव के दर्शन, विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने किया तेलाभिषेक

प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा ने शनि मंदिर पहुंचकर की पूजा-अर्चना

कलेक्टर अंकित अस्थाना तथा सेवानिवृत्त आईएएस एम.के. अग्रवाल ने किया शनि मंदिर पर अभिषेक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शनिचरी अमावस्या पर 29 मार्च 2025 (शनिवार) को मुरैना जिले के ऐंती ग्राम में स्थित प्राचीन शनिधाम मंदिर पर विशाल मेला का आयोजन सम्पन्न हुआ। मेले में लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं ने पहुंचकर सुख-समृद्धि और शांति की प्राप्ति के लिए भगवान श्री शनिदेव के दर्शन किये और प्रार्थना की। शनिदेव के दर्शन करने में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के अलावा विभिन्न न्यायाधीश तथा गणमान्य नागरिक और राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, भोपाल कोटा से भी श्रद्धालु शनि की शरण में पहुंचे। जिला प्रशासन द्वारा की गई माकूल व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं को दर्शन करने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई। कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशन में पुलिस व राजस्व विभाग तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी लगातार मॉनीटरिंग करते रहे। पुलिस अधीक्षक समीर सौरव द्वारा पुलिस बल की पर्याप्त व्यवस्थायें की गई थी। समाजसेवी शशी गोयल सहित जिला अधिकारी मेला अवधि के दौरान स्थल पर उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं पर नजर बनाये रखे दिखे। मेला में स्काउट गाइड के बच्चों ने बुजुर्ग दर्शानार्थियों का सहयोग करके दर्शन कराके साथ ही भीड़-भाड़ से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। कलेक्टर अंकित अस्थाना और सेवानिवृत्त आईएएस एम.के. अग्रवाल ने रात्रि में शनि मंदिर पहुंचकर अभिषेक किया और मंदिर के पट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिये खोल दिये गये।

माँ स्व श्रीमती मोहनप्यारी देवी माहेश्वरी की स्मृति में आयोजित रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 शिविर में पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी

ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिविर से लाभ प्राप्त होः विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। स्थानीय एसएएफ ग्राउण्ड में स्व. श्रीमती मोहनप्यारी देवी माहेश्वरी की स्मृति में रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 02 अप्रैल तक चलेगा। शनिवार को शिविर में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी सहित न्यायामूर्ति श्री चंद्रशेखर, जज राजस्थान उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति श्री जी.एस. अहलूवालिया, जज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं पोर्टफोलियो जज मुरैना, न्यायमूर्ति श्री संजय द्विवेदी, जज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, श्रीमती संगीता मदान, प्रधान जिला न्यायाधीश मुरैना सहित अनेक लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी ने स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया तथा अनेक मरीजों से चर्चा की। इस दौरान लोगों ने उन्हें शिविर के बारे में बताते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस शिविर के माध्यम से मरीजों को विशेष लाभ होगा, क्योंकि गरीब मरीज अच्छे चिकित्सकों के पास इलाज के लिए नहीं पहुंच पाता। लेकिन इस शिविर के माध्यम से उन्हें ख्यातिलब्ध चिकित्सक इलाज के लिए उपलब्ध हुए हैं। तत्पश्चात् न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी चिकित्सको के मध्य भी पहुंचे जहाँ उन्होंने उनसे विशेष चर्चा की। चम्बल अंचल में ख्यातिलब्ध चिकित्सकों के आने से चिकित्सकों के मन में उत्साह का भाव था, क्योंकि इस पावन भूमि पर अनेक चिकित्सक प्रथम बार आये थे। उन्होंने चम्बल की धरा का नाम तो सुन रखा था लेकिन आने का अवसर उन्हें अब मिला।

कैम्प में 12378 लोगों के हुये पंजीयन

रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 के तहत 29 मार्च को पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में 12 हजार 378 लोगों ने पंजीयन कराये। पंजीयन के दौरान प्रांतों से आये डॉक्टरों ने मरीजों के परीक्षण किये एवं समुचित इलाज दिया।

रोटरी के पदाधिकारी डॉ. संजीव बांदिल ने बताया कि 388 जनरल ओपीडी, 6579 मेडीसन, 932 ऑर्थोपैडिक्स, 09 पीडियाट्रिक, 457 ईएनटी, 226 गायनकलॉजी, 119 सरजरी, 11607 ऑपथामॉलोजी, 589 डेंटल, 106 यूरोलॉजी, 26 सायकिएट्री, 15 ऑनकोलॉजी, 570 डरमैटलॉजी, 368, 01 फिजियोथेरेपी, 538 पुलमोनरी एवं 202 एनसीडी क्लीनिक लोगों ने पंजीयन करायें। इसी प्रकार कार्डियोग्राफी के 01, नेफ्रोलॉजी के 01, ऐंडोक्रोनोलॉजी के 01, आर्टिफीशियल ऑरगन ट्रांसप्लांट के 02, एक्यूप्रेशर के 07 ऑपरेशन किये गये।

ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिविर से लाभ प्राप्त हो: विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह

मुरैना। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने पुलिस परेड ग्राउण्ड पर पहुंचकर स्वास्थ्य कैम्प की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुये कहा कि शिविर में गंभीर बीमारियों का इलाज देश व विदेश से आये बड़े चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग इस शिविर में आयें एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठायें। उन्होंने रोटरी के पदाधिकारियों से स्वास्थ्य शिविर के संचालन के संबंध में चर्चा करते हुये अब तक कितने पंजीयन हुये हैं एवं कितनी गंभीर बीमारियों वाले मरीजों को बाहर के रैफर किया गया है उनकी जानकारी ली। उन्होंने बाहर रोटरी में आये चिकित्सकों से भेंट की। उन्होंने कहा कि मैं यह उम्मीद करता हूं कि पहले के स्वास्थ्य शिविरों की तरह यह शिविर भी सफलतापूर्वक पूर्ण होगा एवं ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद लोगों को इस निःशुल्क शिविर का लाभ प्राप्त होगा। प्रदेश के राज्स्व मंत्री एवं मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा ने स्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन किया एवं कार्डियोग्राफी विभाग के ओपीडी में जाकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं चिकित्सकों व मरीजों से भेंट की। उन्होंने कहा कि इस तरह का स्वास्थ्य शिविर जिसमें जनमानस के हित के लिये सेवाभाव से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने रोटरी के पदाधिकारियों एवं जिला प्रशासन को इस स्वास्थ्य शिविर के सफलतापूर्वक एवं वृहद संचालन के लिये शुभकमानायें दीं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवायें देकर हम गरीबों एवं जरूरतमंदों की सेवा कर सकते हैं। विधानसभा अध्यक्ष एवं प्रभारी मंत्री ने शिविर में लगाये सभी विभागों के ओपीडी जिनमें जनरल, मेडीसन, ऑर्थोपैडिक्स, पीडियाट्रिक, ईएनटी, गायनकलॉजी, सर्जीकल, ऑपथामॉलोजी, डेंटल, यूरोलॉजी, सायकिएट्री, ऑनकोलॉजी, डरमैटलॉजी, पलमुनोरी, हिमाटोलॉजी, पेन मेडीसन, कार्डियोग्राफी, एनसीडी क्लीनिक आदि का बारी-बारी से अवलोकन किया।

जो कॉल सेंटर दिल्ली, मुंबई और बैंगलोर में लगता था वह अब अशोकनगर में स्थापित हो गया है: सिंधिया

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने निभाया चुनावी वादा, अशोकनगर में विश्व स्तरीय बीपीओ सेंटर का किया शुभारंभ, रोजगार के क्षेत्र में जिले को मिली रोज़गार और अर्थव्यवस्था की बड़ी सौगात

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अशोकनगर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपना चुनावी वादा पूरा करते हुए आज अशोकनगर जिले को रोजगार के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात प्रदान की है। सिंधिया ने शहर के लॉ कॉलेज में स्थापित किए गए बीपीओ के चार कॉल सेंटर्स वोडाफोन, एयरटेल, जियो और बीएसएनएल –का विधिवत शुभारंभ किया है। इस कॉल सेंटर के माध्यम से जिले के सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलने जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि आज मेरे लिए बेहद भावुक और गर्व का क्षण है, लोकसभा चुनाव के दौरान मैंने आपसे जो वादा किया था, आज उसे पूरा करने की खुशी महसूस कर रहा हूं। अब हमारे बेटे बेटियों को अपना सपना पूरा करने के लिए दूसरे शहरों में नहीं भटकना पड़ेगा। वे अपने जिले में आत्मनिर्भर बनेंगे और देश दुनिया में अशोकनगर का नाम रोशन करेंगे। इस दौरान सिंधिया के साथ कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद रहे।

कॉल सेंटर को बताया विकास का डिजिटल हाईवे

सिंधिया ने अपने भाषण में कहा कि जो प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को विश्व के साथ जोड़ने का जो सपना देखा है, उसकी शुरुआत आज अशोकनगर से हो रही। इसलिए इस पहल को मैं विकास का डिजिटल हाईवे मानता हूं। सिंधिया ने कहा आज जब मैंने कॉल सेंटर्स के कमरों में प्रवेश किया तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। आज अशोकनगर ने दिखा दिया कि ग्वालियर - चंबल के बच्चों में भी असीम संभावनाएं हैं। इस दौरान सिंधिया ने कार्यक्रम में उपस्थित वोडाफोन, एयरटेल, जियो और बीएसएनएल के प्रतिनिधियों को अच्छा वातावरण तैयार करने के लिए धन्यवाद दिया।

एक साल के भीतर एक हजार से ज्यादा लोगों देंगे रोजगार

मंत्री सिंधिया ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान में इस कॉल सेंटर में 250 लोगों को प्रशिक्षण देकर नौकरी दी जा रहा है। आने वाले एक साल के भीतर इस आंकड़े को हम 1 हजार के पार पहुंचाएंगे। साथ ही आगामी एक - डेढ़ साल में हम इस सेंटर को स्थाई बिल्डिंग में शिफ्ट करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने अशोकनगर के युवाओं से कहा कि अब आपको नौकरी की तलाश में बाहर जाने की जरूरत नहीं है, नौकरी आपकी तलाश में चलकर यहां आएगी।

नौकरी मिलने पर युवाओं ने दिया सिंधिया को धन्यवाद

एयरटेल बीपीओ में काम करने वाले अनिल यादव ने नौकरी मिलने पर मंत्री सिंधिया को अपनी ओर धन्यवाद दिया। अनिल पूर्व में एक स्कूल में शिक्षक थे, लेकिन बीपीओ में नौकरी मिलने के बाद उन्होंने कहा कि आज उनका सपना पूरा हो गया है। इसके साथ ही सिंधिया ने कॉल सेंटर पर काम करने वाले युवाओं को सलाह भी दी। सिंधिया ने कहा कि फैक्ट्री में काम करना अलग होता है और कॉल सेंटर पर काम करना अलग बात है। इसलिए हमें कोशिश करनी चाहिए कि हम अपने उपभोक्ताओं को अच्छी सेवाएं उपलब्ध करा सकें।

नौकरी में महिलाओं को मिले प्राथमिकता

इस दौरान सिंधिया ने कॉल सेंटर पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व को लेकर भी कंपनियों से जानकारी ली। जिसपर VI कंपनी की ओर से उन्हें बताया गया कि उनके कॉल सेंटर में 50 प्रतिशत महिला कर्मचारी काम कर रहीं है।

सिंधिया ने सुनी कस्टमर केयर लाइव कॉल

कॉल सेंटर के भ्रमण के दौरान मंत्री सिंधिया ने एक लाइव कॉल सेशन भी अटेंड किया। इस दौरान उन्होंने सेंटर पर आने वाले कॉल्स की प्रक्रिया को गौर से देखा और सुना। साथ ही कॉल सेंटर पर कार्य करने वाले युवाओं को कुछ सुझाव भी दिए।

होली मिलन समारोह में पहुंचे विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह, प्रशंसकों के साथ खेली अबीर व फूलों की होली

स्काउट गाइड ने दीं शनिदेव मंदिर पर अपनी सेवाएं, लोगों की मदद की

मुरैना। विश्व प्रसिद्ध त्रेता युगीन शनि देव मंदिर ऐंती पर्वत पर जो कि शनिश्चरा धाम के नाम से विश्व विख्यात है पर 28 एवं 29 मार्च 2025 को शनिचरी अमावस्या के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया गया। इस इस मेले में भारत स्काउट गाइड जिला संघ मुरैना, भिंड एवं दतिया के स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर, स्काउटर-गाइडर के लगभग 80 सेवार्थियों ने अपनी सेवाएं दीं। 28 मार्च को रात्रि 11:00 बजे से पहला दल अपनी सेवा के लिए उपस्थित हुआ, जिसमें रात्रि को 12:00 बजे जिले के कलेक्टर अंकित अस्थाना, पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, जिला पंचायत सीईओ कमलेश भार्गव, एसडीम भूपेंद्र कुशवाह द्वारा श्री शनि देव का अभिषेक किया गया। इस अभिषेक के पश्चात् शनिचरी अमावस्या के मेले पर शनि देव के दर्शन प्रारंभ हुए जितने भी सेवार्थी थे। वे शनिदेव के मुख्य गेट से जिंग जिंग रेलिंग, हनुमान जी के मंदिर के सामने, गर्भ गृह के सामने और निकासी की सीढ़ियों पर क्रमबद्ध होकर अपनी सेवाएं दे रहे थे। इस बीच में दर्शनार्थियों के बीच यदि कोई असहाय दर्शनार्थ दिखाई दिए उनको सहारा देकर हमारे स्काउट गाइड द्वारा सीडीओ से ऊपर बाहर तक स-सम्मान पहुंचाया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन मुरैना के साथ स्काउट गाइड की ओर से जिला संगठन आयुक्त स्काउट जिला भिंड वीर सिंह यादव, जिला जिला संगठन आयुक्त स्काउट दतिया अतिवल सिंह, रामनरेश दंडोतिया, जिला एवं संभागीय अध्यक्ष तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ जिला इकाई मुरैना द्वारा भी स्काउट गाइड रोमन रेंजर के साथ असहाय बुजुर्ग व्यक्तियों को में मंदिर गेट से जो व्यक्ति सीडीओ पर नहीं चढ़ सकते श्री दंडोतिया ने एवं सभी स्काउट गाइड के साथ उनको बाहर तक सहयोग किया एवं आजीवन प्रतिनिधि स्काउट गाइड जिला मुरैना श्रीमती कीर्ति भदोरिया, श्रीमती मधुबाला तोमर, श्रीमती अर्चना सोनी, महेश कनेरिया, अभिनंदन सिंह तोमर, रोवर लीडर चंबल ओपन रोवर ग्रुप मुरैना, प्रांशु पाराशर, अंकित शर्मा आदि ने सेवाएं दीं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का अभिनव अभियानः आपके द्वार-आपका अस्पताल

सतना वार्ड क्र. 37 में 185 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण एवं 173 मरीजों कों दी गई मुफ्त में दवाइयां

पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सही मायने में मानवता की हो रही है सेवाः राजू दहिया

चलता फिरता अस्पताल-आपका अस्पताल आपके द्वार मरीजों को मिल रहा है लाभः मोहनलाल सेन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सतना। डॉ. राकेश मिश्र अध्यक्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चलता फिरता मुफ्त अस्पताल, आपका अस्पताल आपके द्वार योजना अंतर्गत बी.एल.स्कूल डेलोरा-65, माता वैष्णो मंदिर के पास 35, कोलन बस्ती डेलोरा -37 एवं दुर्गा नगर बाईपास में वार्ड 48 में कुल 185 मरीजों का हुआ स्वास्थ परीक्षण एवं जुखाम, बुखार व सामान्य रोगों के 173 मरीजों को दी गई मुफ्त में दवाइयां।

सेवा न्यास के मीडिया प्रभारी राजेश त्रिपाठी नीलू ने बताया कि सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र जी के द्वारा ऐसे मरीजों के लिए जो समय व आर्थिक अभाव के कारण अस्पताल में जाकर अपना इलाज कराने में सक्षम नहीं है ऐसे मरीजों के लिए चलता फिरता अस्पताल योजना चल रही है। चलता फिरता मुफ्त अस्पताल के द्वारा सेवा बस्तियों में निवास करने वाले मरीजों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

कि पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा सही मायने में की जा रही है। मरीजों के निवास में पहुंचकर 23 प्रकार की निःशुल्क जांचों के उपरांत पीड़ित मरीजों को मुफ्त में दवाइयां भी दी जा रही हैं।

बी. एल. स्कूल के संचालक मोहनलाल सेन ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के उपरांत कहा कि चलता फिरता अस्पताल र योजना अंतर्गत मरीजों को लाभ मिल रहा है। डॉ. राकेश मिश्र जी द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। सभी नगर वासियों को सेवा न्यास कार्यकर्ताओ का सहयोग करना चाहिए।

इनकी रही उपस्थिति

मोहन लाल सेन, पुष्पेंद्र दहिया, राजेंद्र मिश्रा, दिलीप गुप्ता, यश गुप्ता, अंकित कुशवाहा, शशि कुशवाहा, उर्मिला विश्वकर्मा, राजू दहिया, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती रश्मि सैनी, अनिल सैनी, विजय सिंह पटेल, विमल नामदेव, राजेश त्रिपाठी नीलू एवं सेवा न्यास कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एक्शन फोरम के पांचवीं बार राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी नियुक्त हुए ई. आरके जायसवाल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नई दिल्ली। ''एक सफल प्रयास का मतलब है कि एक बार में एक ईंट रखना, एक बार में एक कदम उठाना।'' ऐसा ही रास्ते पर सफर करते हुए समाजसेवी व अभियंता आरके जायसवाल को एक बार फिर से लागातार पांचवीं बार राष्ट्रीय मानवाधिकार एक्शन फोरम के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एक्शन फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष शुभम द्विवेदी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों कि सूची जारी कर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह

संगठन अन्याय की अन्त के लिए चरणबद्ध हैं और समाज कल्याण, साक्षरता व उपभोक्ता अधिकार, घरेलू हिंसा, भ्रष्टाचार विरोधी, अपने संस्कृति रक्षा, शिक्षा के अधिकारों का उल्लंघन आदि के मद्देनजर हम सभी सदैव तत्पर हैं। इसमें अभियंता आर.के. जायसवाल के कलम से निर्भीकता, कर्मठ व निष्ठा के साथ बुलंद आवाज़ हमें मंजिल तक पहुंचने में सफल रही हैं और हमने कई बार सफलता भी हासिल की है। हमें बहुत गर्व है कि ऐसे व्यक्ति हमारे संगठन के हिस्सा हैं। वहीं श्री जायसवाल ने कहा कि समाज में हम सबकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, हम सभी एक बड़े सामाजिक तंत्र का हिस्सा हैं और समाजिक विकास हमारी व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी, सामाजिक दायित्व और नैतिक कर्तव्यों से जुड़ी हुई है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और देश के उन्नति में सबका साथ सबका विकास में सहायक होता है। इसलिए समाज के प्रति करुणावान होना ही पर्याप्त नहीं है, हम सभी को कार्य भी करना होगा। इस नियुक्ति को लेकर अभियंता जायसवाल को अनेक गणमान्य, समाजिक संगठनों व मीडिया जगत के लोगों द्वारा बधाई व शुभकामनाएँ का सिलसिला जारी है।

ब्रज लोक के कलाकार को मिला विश्व रंगमंच पुरस्कार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मथुरा। ब्रज लोक के कलाकार मुरारीलाल तिवारी को गुजरात राज्य में विश्व रंगमंच पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। विशाला पर्यावरण कला, वास्तुकला एवं अनुसंधान विरासत केन्द्र तथा विचार बर्तन संग्रहालय द्वारा यहां अहमदाबाद में आयोजित विश्व रंगमंच पुरस्कार समारोह में गोवर्धन के निवासी मुरारीलाल तिवारी को गत दिवस यह सम्मान दिया गया। उनको पुरस्कार मिलने पर ब्रज के लोक कलाकारों ने हर्ष व्यक्त किया है।

इस दौरान पदाधिकारी एवं अतिथियों में जोरावर सिंह जाधव, स्मिता सुरेन्द्र पटेल, परेशन एन पटेल भी मौजूद रहे।

त्यागी धर्मशाला जौरा में आयोजित किया गया ''पोषण भी-पढ़ाई भी'' प्रशिक्षण कार्यक्रम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती उपासना राय के निर्देशन व मार्गदर्शन में जिले भर में आयोजित किये जा रहे ''पोषण भी-पढ़ाई भी'' प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला में महिला एवं बाल विकास परियोजना क्र. 1 एवं 2 जौरा द्वारा गालव त्यागी धर्मशाला में तीन दिवसीय ''पोषण भी-पढ़ाई भी'' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा था, जिसका समापन 29 मार्च को किया गया। जिसमें परियोजना क्र. 01 की प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती आरती राजपूत एवं 02 की प्रभारी अधिकारी श्रीमती गिरिजा यादव एवं वरिष्ठ समाजसेवी व पत्रकार जे.पी. पाराशर तथा सिविल

हॉस्पिटल आईसीटीसी जोरा के परामर्शदाता संदीप सेंगर विशेष रूप से उपस्थित थे। इन के अलावा पर्यवेक्षक श्रीमती प्रियंका भावसार, दीपा कनौजिया, पुष्पा शर्मा, सृष्टि यादव, ज्योति शर्मा एवं ब्लाक समन्वयक श्रीमती प्रियंका व सत्येंद्र उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन दिवस में पोषण, कुपोषण, स्वच्छता एवं शिक्षा नीति तथा विकलांगता के बारे में उपस्थित मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर श्रीमती आरती राजपूत द्वारा कहा गया कि ''पोषण भी-पढ़ाई भी'' कार्यक्रम के तहत आपने जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है वह तभी साकार होगा जब आपके द्वारा फील्ड में धरातल पर समुदाय के बीच महिलाओं एवं बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान देते हुए उनके स्वास्थ्य की चिंता कर उन्हें हर प्रकार से सशक्त बनाने में भागीदारी निभाते हुए तत्परता के साथ कार्य किया जाए।

मेरे श्याम खाटू श्याम महानाट्य का मंचन आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर/इस्कॉन। न्यानेश्वरी फिल्म एवं नाट्य संस्थान द्वारा मेरे श्याम खाटू श्याम महानाट्य का भव्य मंचन 30 मार्च को जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के अटल सभागार में किया जाएगा। धर्म के लिए अपना शीश दान देने वाले धर्म योगी एवं भारत के धार्मिक गौरव बाबा खाटू श्याम को समर्पित यह भव्य प्रस्तुति शाम 4:00 बजे से प्रारंभ होगी। यह जानकारी देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर (रामू भैया) ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। उन्होंने बताया है कि बाबा खाटू श्याम को समर्पित यह अवतार गाथा महानाट्य इस रूप में भारत में पहली बार प्रस्तुत होने जा रहा है। नाटक का लेखन एवं निर्देशन ग्वालियर के नाट्य निर्देशक प्रशांत चौहान करेंगे। श्री तोमर ने अधिक से अधिक ग्वालियर वासियों एवं सनातन प्रेमियों से इस अवसर पर महानत्य प्रस्तुति देखने के लिए उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

एसआई का सिर फोड़ा, आशीष के घर पहुंचे पुलिसकर्मियों से हुआ झगड़ा

ग्वालियर। आरटीआई एक्टिविस्ट आशीष चतुर्वेदी की गिरफ्तारी वारंट को तामील कराने पहुंची पुलिस पर शनिवार को हमला हो गया। आरोप आशीष और उसके परिजन पर हैं। हमले के दौरान एसआई आशीष शर्मा घायल हो गए। उनके सिर में चोट लगी है। उन्हें इलाज के लिए परिवार हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। एसआई को घायल देखकर व्हिसल ब्लोअर ने भी अपना सिर दीवार में मार लिया। पुलिस ने तुरंत उसे रोका और जेएएच (जयारोग्य अस्पताल) ले जाकर मेडिकल कराया। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से निजी मुचलके पर जमानत मिल गई। उधर आशीष का कहना है कि पुलिस ने उनके परिजनों से बदतमीजी की।

बता दें कि व्यापमं घोटाले से जुड़े मामले में वह लंबे समय से कोर्ट में गवाही देने नहीं जा रहा था। कोर्ट से सख्त आदेश था। साथ ही गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। पुलिस टीम पर हमले के मामले में आशीष चतुर्वेदी के खिलाफनया केस दर्ज करने की तैयारी

की जा रही है। शहर एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि व्यापमं कांड में आशीष चतुर्वेदी गवाह हैं। कई बार कोर्ट से उनका वारंट जारी हो चुका है। हर बार झांसी रोड थाना पुलिस ने उनको वारंट से जुड़ी जानकारी दी, लेकिन वह सुनवाई से पहले गायब हो जाते थे। कोर्ट ने इस बार पुलिस को सख्त हिदायत दी थी कि किसी भी सूरत में उन्हें कोर्ट में पेश करें।

इसी सिलसिले में झांसी रोड थाना प्रभारी मंगल सिंह पपोला के नेतृत्व में पुलिस की टीम आशीष चतुर्वेदी के नाका चंद्रवदनी स्थित घर पर पहुंची थी। पुलिस पार्टी वारंट तामील कराने गई थी। टीम का नेतृत्व कर रहे एसआई आशीष शर्मा के सिर में गंभीर चोट लगी है, उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। व्हिसल ब्लोअर आशीष चतुर्वेदी ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मुझे किसी गिरफ्तारी वारंट की जानकारी नहीं दी है। सीधे मेरे घर पर गिरफ्तारी वारंट लेकर पहुंची है। इसका विरोध करने पर मुझ पर ही हमला किया गया है। पुलिस लगातार मुझे धमका रही हैं। झांसी रोड थाना प्रभारी मंगल सिंह पपोला ने बताया कि आशीष चतुर्वेदी का गिरफ्तारी वारंट था। जिस पर उनको बताने पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने पुलिस पर हमला करने के बाद अपना सिर दीवार पर दे मारा है। हमारा एक एसआई घायल हुआ है, जबकि इनको भी हम मेडिकल के लिए लेकर आए हैं। इनको कोर्ट में पेश किया गया है। वारंट तामीली से बचने के लिये आशीष लगातार जब भी पुलिसकर्मी घर पहुंचते थे गायब हो जाते थे। न्यायालय ने चौथी बार वारंट भेजा था। जिसे तामील कराने एसआई आशीष शर्मा की टीम गई थी। जिस पर आशीष के परिजनों ने हमला कर दिया। आशीष के सिर में गंभीर चोट आई है।

गांजा तस्कर को पकड़कर 100 किमी तक बिना रूके दौड़ी पुलिस

ग्वालियर। ट्रक में पकड़े गए साढ़े चार सौ किलो गांजे की तस्करी में फरार चल रहे गांजा तस्कर को महाराजपुरा थाना पुलिस ने आंधप्रदेश और उड़ीसा के बार्डर से पकड़ा है। यह वह क्षेत्र है जहां पर नक्सलाइट मूवमेंट के चलते पुलिस भी प्रवेश करने से कतराती है और पिछले पांच दिन की मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे दबोचा है। पकड़े गए तस्कर को पुलिस हिरासत में लेकर आ गई है और पूछताछ में जुट गई है। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि पकड़ा गया तस्कर ही इस तस्करी गिरोह का मास्टर माइण्ड है।

महाराजपुरा थाना प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि वर्ष 2023 में पुलिस ने साढ़े चार सौ किलो गांजे से भरा एक ट्रक पकड़ा था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई कर छह आरोपियों विजय कुशवाह, वीरेन्द्र गुदेनिया, विक्रम गुर्जर, राजकुमार ठाकुर, राजेन्द्र पुजारी और फूलसिंह को पकड़ा था। पुलिस पूछताछ में पता चला था कि यह तस्करी से भरा ट्रक उड़ीसा से लेकर आए थे और इसकी सप्लाई उन्हें सुभाष चंद्र पुत्र कांता पांगी निवासी पांडवा जिला खरगपुर उड़ीसा ने की है और यह ही इस रैकेट का मास्टर माइण्ड है। इसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही थी, लेकिन वह हाथ नहीं आ रहा था, क्योंकि वह उड़ीसा और आंध्र के बॉर्डर पर होने के कारण दूसरी सीमा में नक्सलाइट इलाके में चला जाता था। दो साल के करीब आरोपी के गिरफ्तार नहीं होने के कारण आरोपी को पकडने के लिये पुलिस टीम पिछले दस दिन से उसे लोकेशन के आधार पर ट्रैक कर रही थी।

सबसे बड़ी परेशानी यह थी कि आरोपी नक्सलाइट इलाके में रह रहा था, जहां पर स्थानीय पुलिस भी जाने से कतराती थी। पिछले पांच दिन से पुलिस टीम उसे दबोचने के लिए स्थानीय पुलिस की मदद से घेराबंदी में लगी हुई थी। जैसे ही उसने सीमा लांघी, पुलिस ने उसे पकड़ लिया और एक बार पुलिस के हिरासत में आने के बाद उसे लेकर करीब सौ किलोमीटर दूर आ गई, तब पुलिस ने अपना वाहन रोका। पुलिस टीम को आंशका थी कि अगर वाहन रोका तो उसके मददगार पुलिस पर हावी ना हो जाएं। पकड़े गए तस्कर को हिरासत में लेकर पुलिस टीम उससे पूछताछ कर रही है। पड़ताल में पता चला है कि पकड़ा गया आरोपी नक्सलाइट इलाके में ही गांजे की खेती कराता है और वहीं से इसकी सप्लाई करता है।

ट्रक चालक ही निकला चोर, सवा क्विंटल इलायची बरामद

ग्वालियर। खराब हुए ट्रक से चोरी हुई चार लाख की इलायची को ट्रक चालक ने ही चुराया था। चोरी की इस घटना का पनिहार थाना पुलिस ने खुलासा कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। चोरी गई दो क्विंटल इलायची में से पुलिस ने सवा क्विंटल इलायची बरामद कर ली है। अब पुलिस पकड़े गए चालक से पूछताछ कर शेष इलायची बरामद करने में जुटी हुई है।

पनिहार थाना प्रभारी जेडेंन लिगजर्पा ने बताया कि सेवा नगर निवासी 31 वर्षीय अभिषेक पुत्र रविन्द्र सिंह भदौरिया महावीर ट्रांसपोर्ट कंपनी में मैनेजर है। बीती 22 मार्च को उनकी कंपनी का चालक शुभम पुत्र जगदीश झा निवासी आनंद नगर ट्रक में 1867 बोरी तिल्ली और चालीस बोरी इलायची लेकर बासी मुम्बई के लिए रवाना हुआ था। ट्रक अभी पनिहार इलाके में पहुंचा ही था कि तभी चालक शुभम का कॉल आया और उसने बताया कि ट्रक खराब हो गया है और काफी प्रयास के बाद भी स्टार्ट नहीं हो रहा है। इसका पता चलते ही अगले दिन दूसरे ट्रक को मौके पर पहुंचाया और माल अनलोड कराया तो पता चला कि चार बोरी इलायची कम है। इसका पता चलते ही ड्राइवर से बात की तो उसका कहना था कि वह ट्रक के खराब होने पर उसे खड़ा कर चला गया था। जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर पड़ताल की तो पता चला कि ड्राइवर के बयान गड़बड़ हैं। पुलिस ने बयान गड़बड़ होने पर चालक को निगरानी में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो चालक ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। वारदात का खुलासा होते ही पुलिस माल बरामदगी में जुट गई है और मोहना में अतुल तोमर उर्फमामा के घर पर रखवा दिया था। जहां से पुलिस ने सवा क्विंटल इलायची बरामद कर ली है। अब पुलिस शेष इलायची का पता लगाने के लिए पूछताछ कर रही है। बरामद इलायची की कीमत करीब दो लाख रुपए बताई गई है।

महिला से कैंटीन संचालक ने की छेड़छाड़

ग्वालियर। पति से विवाद के बाद बच्चों को लेकर अलग रह रही महिला से एक कैंटीन संचालक ने छेड़छाड़ कर दी। घटना गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के मुरार रोड दूध डेयरी तिराहे की है। वारदात की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के धर्मवीर पेट्रोल पंप के पास रहने वाली 37 वर्षीय महिला ने पुलिस से शिकायत की है कि वह मूलतः भिण्ड की रहने वाली है और पति से विवाद के बाद किराए का कमरा लेकर रह रही है। कुछ माह पहले वह कैंटीन संचालक सुरेन्द्र कंषाना के यहां पर काम करती थी, लेकिन उसकी गलत नजर होने के कारण उसने काम छोड़ दिया था। उसके बाद से ही वह उसे रास्ते में मिलने पर कमेंट्स करना और छेड़छाड़ करता था। बदनामी के चलते वह चुप रही तो उसके हौसले बढ़ गए थे। दो दिन पहले वह अपने बहनोई के साथ आ रही थी। जैसे ही उन्होंने उसे मुरार इन्क्लेव के पास उतारा तो वहां पर सुरेन्द्र कंषाना आ गया और उससे अभद्रता कर छेड़छाड़ करने लगा। जब उसने विरोध किया तो उसने उसे धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने उसे जबरन ले जाने का प्रयास किया और उसे अपनी स्कूटी पर बिठा लिया। किसी तरह वह वहां से भागी और घर पहुंची, इसके बाद उसके परिजनों ने भी उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

कलेक्ट्रेट के पास बनेगा भाजपा का नया कार्यालय

ग्वालियर। ग्वालियर में भारतीय जनता पार्टी का नया कार्यालय बनेगा। इसके लिए 21 हजार 600 स्क्वायर फीट जमीन भारतीय जनता पार्टी ने खरीद ली है। जमीन की रजिस्ट्री शनिवार को हुई। रजिस्ट्री कराने भोपाल से भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ग्वालियर आए।

बता दें कि वर्तमान में ग्वालियर में महाराज बाड़े पर भाजपा का कार्यालय बना है। जिले की 6 विधानसभाओं के हिसाब से यह कार्यालय काफी छोटा है। समय के हिसाब से भाजपा अब नए कार्यालय बना रही है। इसी कड़ी में ग्वालियर में

भाजपा ने सिरोल रोड स्थित कलेक्ट्रेट के पीछे नए भवन के लिए 21 हजार 600 स्क्वायर फीट जमीन खरीदी है। जिसकी रजिस्ट्री कराने वह खुद भोपाल से शनिवार दोपहर रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचे। इनके साथ कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी मौजूद थे। इस अवसर पर रामेश्वर भदौरिया, संभागीय मीडिया प्रभारी राजलखन सिंह, जिला मीडिया प्रभारी नवीन चौधरी, जिला महामंत्री विनोद शर्मा, राजू पलैया, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह तोमर बिट्टू, दीपक शर्मा, गिर्राज कंसाना बिट्टू, दीपक शर्मा, अरविंद रघुवंशी, हरीश मेवाफ्रोस आदि मौजूद थे।

गांधी प्राणी उद्यान को शैक्षणिक उद्देश्य को लेकर करें विकसितः निगमायुक्त

ग्वालियर। शहर का गांधी प्राणी उद्यान केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि नॉलेज एवं शैक्षणिक उद्देश्य को लेकर भी विकसित करें। जिससे यहां आने

वाले युवा, बच्चे जू के प्रति आकर्षित हो एवं उन्हें ज्ञान भी प्राप्त हो सके। उक्ताशय के निर्देश निगम आयुक्त संघ प्रिय ने शनिवार को गांधी प्राणी उद्यान के निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए।

निगमायुक्त संघ प्रिय ने सर्वप्रथम जू का अवलोकन किया तथा प्रत्येक वन्य प्राणी के केज को देखा तथा वन्य प्राणियों की सुरक्षा एवं आहार तथा उनके रखरखाव को लेकर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा पूरे चिड़ियाघर में उपलब्ध वन्य प्राणियों को लेकर जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने चिड़ियाघर के सौंदर्यीकरण, विस्तार, विकास एवं मरम्मत के कार्यों को लेकर आवश्यक जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी कार्य आवश्यक होना है। उनके प्रस्ताव को लेकर चर्चा करें तथा आवश्यक बिंदुओं को समय सीमा में बैठक में रखें। जिससे उन पर तत्काल निर्णय हो सके।

निगमायुक्त संघ प्रिय ने चिड़ियाघर के विभिन्न विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा वन्य प्राणियों के विनिमय को लेकर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त मुनीष सिंह सिकरवार, उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री सुशील कटारे, नोडल अधिकारी जू डॉ. उपेन्द्र यादव, सहायक यंत्री राजवी सिंघल, उपयंत्री श्रीमती वर्षा एवं जू क्यूरेटर गौरव परिहार उपस्थित रहे।

स्वच्छता को अपनी आदत में बनायें: सभापति

ग्वालियर । स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के सर्वेक्षण में निगम के सफाई मित्रों द्वारा टीम भावना से सराहनीय कार्य किया है। सफाई मित्रों द्वारा निरंतर कार्य किया उसी का परिणाम है कि पहले की अपेक्षा इस बार हमारा शहर काफी स्वच्छ व साफनजर आया। यह बात सभापति मनोज सिंह तोमर ने स्वच्छता की बात अपनों के साथ आयोजित कार्यक्रम में कही।

स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छा कार्य करने पर सभापति मनोज सिंह तोमर ने सफाई मित्रों को सम्मान किया और कहा कि निगम के सफाई मित्रों के साथ साथ शहर के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर शहर को साफव स्वच्छ शहर बनाये रखने के इस अभियान को निरंतर बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एक दिन का कार्य नहीं है, स्वच्छता को हमें अपनी आदत बनानी पडेगी। जिस प्रकार हम अपने घर को साफव स्वच्छ रखते हैं उसी प्रकार अपने शहर को साफ व स्वच्छ रखना है। इस अवसर पर निगमायुक्त संघ प्रिय ने कहा कि पिछले 10 दिन से स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम सर्वे कर रही थी और हमारी टीम भी दिन रात स्वच्छता के कार्य में लगी रही। सभी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने टीम भावना से कार्य किया उसी का

परिणाम है कि स्वच्छता सर्वेक्षण बिना किसी शिकायत के अच्छे से हुआ। अभी दो सर्वे और बांकी है इसलिए अभी से जुट जाऐं। इसी ऊर्जा के साथ हमें आगे भी कार्य करना है। जो सुधार पिछले समय में किये है वह निरंतर बनाए रखना है। जिस प्रकार स्वच्छता सर्वेक्षण में कार्य किया है वह कार्य निरंतर पूरे वर्ष करना है। कार्यक्रम में निगम आयुक्त संघ प्रिय, अपर आयुक्त विजय राज, मुनीष सिंह सिकरवार, अनिल दुबे, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता उपस्थित थे।

माता मंदिर की दानपेटी तोड़कर नगदी चुराई

ग्वालियर। पुलिस को चुनौती देते हुए चोरों ने आस्था पर चोट की और चोर माता मंदिर की दानपेटी तोड़कर नगदी चोरी कर ले गए। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन में बीती 21 मार्च की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के घोसपुरा पुलिस लाइन के पास रहने वाले सोमदत्त पुत्र बसंत लाल मिश्रा पुजारी है और पुलिस लाइन स्थित आशुतोष माता मंदिर पर पूजा अर्चना करते है। बीती 21-22 मार्च की दरमियानी रात चोरों ने मंदिर पर धावा बोला और दानपेटी तोड़कर उसमें रखी चढ़ोतरी चोरी कर ले गए। घटना का पता सुबह चला जब वह मंदिर पहुंचे तो मंदिर के ताले टूटे हुए थे और दानपेटी से नकदी गायब थी। मामला समझ में आते ही उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद अज्ञात चोर के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। जिस जगह मंदिर है, उसके चारों तरफपुलिस के क्वॉर्टर बने हुए है। ऐसे में चोरों ने पुलिस के बीच स्थित मंदिर में चोरी कर सीधे-सीधे पुलिस को चुनौती दे दी। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

कंटेनर की टक्कर से सीसीटीवी टूटे

ग्वालियर। तेज रफ्तार आ रहे कंटेनर ने सीसीटीवी पोल में टक्कर मार दी। हादसा पड़ाव चौराहे पर दो दिन पहले का है। हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। टूटे सीसीटीवी से करीब दो लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस अब फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। पड़ाव थाना पुलिस ने बताया कि 18 मार्च को पड़ाव चौराहे पर लगे सीसीटीवी पोल में तेज रफ्तार आ रहे कंटेनर क्रमांक एनएल 1 एएच 5930 के चालक ने लापरवाही से अपना वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। जिससे यहां पर स्मार्ट सिटी के लगे हुए सीसीटीवी क्षतिग्रस्त हो गए और करीब दो लाख रुपए का नुकसान हो गया। हादसे का पता सुबह चला जब सीसीटीवी टूटे होने का पता चला तो स्मार्ट सीसीटीवी एवं चालान प्रोजेक्ट मैनेजर राहुल पुत्र सुरेन्द्र शर्मा निवासी अलकापुरी थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

सट्टा लगवाते सटेरिया पकड़ा

ग्वालियर। सट्टा लगवा रहे एक सटोरिए को पुलिस ने दबोचा है। पकड़े गए सटोरिए से नगदी के साथ ही सट्टा पर्ची बरामद की है। अब पुलिस पकड़े गए सटोरिए से पूछताछ में जुट गई है। पुरानी छावनी थाना प्रभारी क्षमा राजौरिया ने बताया कि सूचना मिली थी कि रामजानकी मंदिर तिवारी मोहल्ला में सट्टा लगवाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को सटोरिए को पकडने के लिए पहुंचाया। पुलिस को देखते ही एक युवक भागने लगा, जिसे पुलिस ने पकड़ा और उसकी तलाशी ली तो उसके पास से सट्टा पर्ची के साथ ही नकदी बरामद हुई। पुलिस ने पकड़े गए सटोरिए को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसकी पहचान चन्द्रशेखर उर्फमोनू शिवहरे पुत्र सुरेश शिवहरे निवासी रामजानकी मोहल्ला के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी आज आएंगे

ग्वालियर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं पूर्व मंत्री राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह आज 30 मार्च को आयेंगे। शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा नेताओं की अगवानी की जाएगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह प्रातः 9.40 पर वंदे भारत एक्सप्रेस से ग्वालियर आ रहे हैं एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी दोपहर 2 बजे वायुयान से ग्वालियर विमानतल पर आयेंगे। जहां पर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा दोनों वरिष्ठ नेतागणों की भव्य स्वागत कर अगवानी की जाएगी।

पृथ्वी ताल का जीर्णोद्धार कार्यक्रम आज

ग्वालियर। जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन 30 मार्च से 30 जून तक किया जा रहा है। इसी के तहत ग्वालियर में जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन वार्ड 61 एवं 62 खुरैरी में पृथ्वीताल के गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर बडी संख्या में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन आज 30 मार्च को प्रातः 8 बजे पृथ्वी ताल पर किया जाएगा।

गुड़ी पड़वा पर आज बाल भवन में होगा कार्यक्रम

ग्वालियर। जिले में भी विक्रमोत्सव-2025 भारतीय संस्कृति की गरिमा के अनुरूप मनाया जायेगा। गुड़ी पड़वा पर आज 30 मार्च को विक्रमोत्सव के उपलक्ष्य में बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव व निगम सभापति मनोज तोमर भाग लेंगे। संयुक्त कलेक्टर संजीव जैन ने बताया कि कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा ब्रम्हध्वज वंदन किया जायेगा। इस अवसर पर विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाटक का मंचन भी होगा। उन्होंने बताया विक्रमोत्सव के तहत जिले में विभिन्न स्थानों पर सूर्य उपासना होगी। साथ ही प्रमुख मंदिरों एवं प्रमुख भवनों पर ब्रम्हध्वज फहराए जायेंगे।

विधायक डॉ. सिकरवार ने किया सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 1

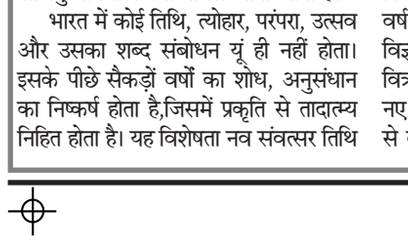

में जिन्नातों की दरगाह पर सामुदायिक भवन निर्माण के लिये पूर्व मंत्री बालेन्दु शुक्ल, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सईदा अली एवं आसिफअली ने भूमिपूजन किया। इस सामुदायिक भवन का निर्माण लगभग 34 लाख रूपये की लागत से किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि वर्षों से क्षेत्र की जनता द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण की मांग की जा रही है, सामुदायिक भवन निर्माण से क्षेत्रवासियों को पारिवारिक कार्यक्रम करने हेतु सुविधा प्राप्त होगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद विधायक डॉ. सिकरवार ने क्षेत्र का भ्रमण किया, जनता की समस्याओं को सुना और तुरन्त संबंधित अधिकारियों से बात कर समस्याओं का निराकरण कराया।

धूमधाम से मनेगा हनुमान जन्मोत्सव

ग्वालियर। संकट मोचन हनुमान बालाजी धाम मंदिर गोलपाडा में तीन दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। 11 से 13 अप्रैल तक चलने वाले इस उत्सव में श्रद्धालु भक्तिभाव से शामिल होंगे। यह जानकारी संकट मोचन हनुमान बालाजी धाम मंदिर गोलपाडा के चरणसेवक जगवीर दास ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये दी।

चरणसेवक जगवीर दास ने पत्रकारों को बताया कि वर्तमान युग में जहां अधर्म लगातार अपने पैर पासर रहा है। रिश्तों की गरिमा तार तार हो रही है। कलियुग में एक ही देवता ऐसे है जो हमें सदमार्ग पर चलने के लिए हमारी आत्म शक्ति बढाते है, प्रेरित करते है और हमें सदा जीवन में सफल बनाते है। ऐसे प्रभु हनुमान जी महाराज का जन्मोत्सव हम सभी मंदिर के सेवकगण तीन दिन तक हनुमान जी

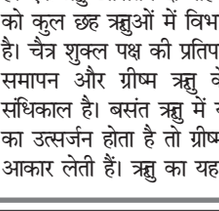

राम-हनुमान की निकलेगी रथ यात्रा

महाराज की सेवा में तनम न धन समर्पित करते हुये मनायेंगे। तीन दिवसीय कार्यक्रमों की श्रंखला में पहले दिन 11 अप्रैल शुक्रवार को प्रातः 8 बजे से रामचरित मानस अखंड रामायण का प्रारंभ किया जाएगा। दूसरे दिन 12 अप्रैल शनिवार को प्रातः 4 बजे से मूर्ति स्वरूप हनुमान बालाजी महाराज का पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद सुबह 7 बजे आरती स्तुति होगी। वहीं 7रू 30 बजे 56 व्यंजनों से प्रभु हनुमान जी महाराज का भोग लगाया जाएगा। 10 बजे से अलौकिक हवन यज्ञ का आयोजन होगा। शाम छह बजे से कोटेश्वर मंदिर से विशाल राम हनुमान रथ यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें मुख्य रूप से राम दरबार और वर्तमान अयोध्या के राम के स्वरूप की झांकी निकाली जाएगी।

इसी के साथ अन्य झांकिया भी आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। रथ यात्रा का प्रस्थान कोटेश्वर मंदिर से मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर पूजन आरती कर करेंगे। रथ यात्रा का जगह जगह पर स्वागत किया जाएगा। इसकी विशेष बात यह है कि हमारे साथ मुस्लिम भाई भी जय श्री राम के नारे लगाते हुये यात्रा का स्वागत करते है। और इस वर्ष भी करेंगे। तीसरे दिन 13 अप्रैल को शाम छह बजे से विशाल भंडारे का आयोजन होगा। जिसमें मिष्ठान के रूप में प्रभु का विशेष भोग प्रसाद 56 भोग प्रसाद भी परोसा जाएगा।

हजारों वर्ष पुराना है काल गणना का इतिहास

- नितीश श्रीवास्तव -

ग्वालियर। चैत्र शुक्ल पक्ष एकम सृष्टि विकास के आरंभ का दिन है, और संसार के लिए नवसंवत्सर। अर्थात नए संवत वर्ष का प्रथम दिन है। अब विक्रम संवत 2082 आरंभ हो रहा है। युगाब्द संवत महाभारत युद्ध के बाद सम्राट युधिष्ठिर के राज्याभिषेक और महाराज विक्रमादित्य के राज्याभिषेक की तिथि से विक्रम संवत आरंभ हुआ है। भारतीय नववर्ष 30 मार्च 2025 से शुरू हो रहा है। इसे भारत में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। कहीं 'चेती चाँद' कहीं 'गुड़ी पड़वा' कहीं 'युगादि', कहीं 'उगादी' कहीं 'पड़वो' कहीं 'नवरेह' तो मणिपुर में सजिबु नोंगमा पानबा नामसे जाना जाता है।

भारत में कोई तिथि, त्योहार, परंपरा, उत्सव और उसका शब्द संबोधन यूं ही नहीं होता। इसके पीछे सैकड़ों वर्षों का शोध, अनुसंधान का निष्कर्ष होता है,जिसमें प्रकृति से तादात्म्य निहित होता है। यह विशेषता नव संवत्सर तिथि की भी है। नवसंवत आरंभ होने तिथि को गुड़ी पड़वा भी कहते हैं । यदि सृष्टि और समय का आरंभ शिवरात्रि से हुआ तो सृष्टि के विकास का आरंभ गुड़ी पड़वा से हुआ। इसीलिए सम्राट युधिष्ठिर और महाराज विक्रमादित्य ने अपने राज्याभिषेक के लिए इसी तिथि का चयन किया था। अब इसके नाम 'नवसंवत्सर' को देखें। भारत में काल गणना का इतिहास कितना पुराना है। यह कहा नहीं जा सकता। यह लाखों वर्ष पुराना भी हो सकता है। पांच हजार वर्ष से तो यह गणना एकदम सटीक और पूर्णता वैज्ञानिक स्वरूप में प्रमाणिक हो गई है। युगाब्द और विक्रम संवत की काल गणना इतनी सटीक है कि आधुनिक विज्ञान भी हतप्रभ है। पांच हजार वर्ष पूर्व आरंभ युगाब्द गणना भी आधुनिक विज्ञान के निष्कर्ष से भी सटीक है। युगाब्द और विक्रम संवत के बारे में ऐसा नहीं है कि इसे नए शोध के अनुसार गणना करके पूर्व की तिथि से लागू कर दिया हो जैसा ईस्वी सन के बारे में है। आज पूरी दुनिया जिस ईस्वी संवत को मान रही है वह मुश्किल से साढ़े चार सौ वर्ष पुराना है, लेकिन उसे ईसा मसीह के जीवनकाल की अनुमानित गणनाएं करके लगभग डेढ़ हजार वर्ष पूर्व की तिथि से लागू किया गया था। ऐसा भारतीय काल गणना में नहीं है। यहां संवत युगाब्द का हो विक्रम संवत का, दोनों में महीने या दिन की गणना ही नहीं घंटे मिनट की गति गणना भी पहले दिन से है।

भारत की काल गणना में दिन, तिथि, नक्षत्र, योग और करण इन पांच बिन्दुओं का ज्ञान मिलता है इसलिए इसका नाम 'पंचांग' है। यह गणना इतनी शोध परख थी कि समय और उसके अनुसार ऋतु परिवर्तन की गति को पत्थरों पर उकेर दिया गया था, जिसके अवशेष दिल्ली के जंतर मंतर, जयपुर और उज्जैन आदि नगरों में आज भी मौजूद हैं। भारत की कालगणना में सूर्य, चन्द्रमा और पृथ्वी की गति के साथ अंतरिक्ष के अन्य प्रमुख ग्रहों की गति और प्रभाव का भी आकलन होता है। यह भारतीय मानस के लिए गर्व का विषय है कि यूरोप वासियों का जब भारत आना जाना हुआ तब उन्होनें अपने कैलेण्डर में भारतीय प्रावधानों के अनुरुप संशोधन किए। उदाहरण के लिए पृथ्वी लगभग 1600 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से घूमती है उसे एक पूरा चक्कर लगाने में चौबीस घंटे लगते हैं। इसे अहोरात्र कहते हैं। इसके एक भाग को जो एक घंटे का होता है, इसे पंचाग की भाषा में होरा कहते हैं। भारतीय काल गणना में अनेक आकलन हैं। कल्प, युग, वर्ष, माह, सप्ताह दिवस आदि के साथ ऋतु आकलन भी है। एक ऋतु औसतन दो माह की होती है। वर्ष को कुल छह ऋतुओं में विभाजित किया गया है। चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा बसंत ऋतु के समापन और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का संधिकाल है। बसंत ऋतु में यदि नव कोपलों का उत्सर्जन होता है तो ग्रीष्म में विस्तार का आकार लेती हैं। ऋतु का यह परिवर्तन मनुष्य के मन मानस पर भी प्रभाव डालता है। इस प्रभाव के सकारात्मक लाभ लेने और अपने तन, मन, मानस को उसके अनुरूप बनाने के लिए ही नवरात्रि साधना का प्रावधान किया गया है। आज भारत अपने विकास के आयाम में एक करवट ले रहा है। ऊर्जा सापेक्षता और परमाणु सिद्धांत के अनुसंधानकर्ता अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि 'यह भारत के ग्रंथों में पहले से है'।

इसी सदी के वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग ने अपनी भारत यात्रा के समय दिल्ली में आयोजित उद्बोधन में समय के आकलन पर भारत के प्राचीन ज्ञान पर आश्चर्य व्यक्त किया था। आज पुनरू पूरा संसार भारत की ओर देख रहा है। अतएव यह प्रत्येक भारतीय का संकल्प होना चाहिए कि हम अपनी गौरवशाली परंपराओं के अनुरूप अपना जीवन वृत बनाएं। यह मार्ग स्वयं को सक्षम बनाने का है और यही समय विश्व में भारत की साख बनाने का है।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में कब थमेगा आतंक का खूनी सिलसिला? घुसपैठ, मुठभेड़ और शहादतों का दौर जारी

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन खत्म होने के बाद जब लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार ने काम करना शुरू किया था, तब उससे उपजी एक उम्मीद यह भी थी कि अब वहां नए सिरे से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शुरू होगी। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के लिए देश और इसके समूचे तंत्र की कितनी ऊर्जा लगी है, यह सभी जानते हैं। विडंबना यह है कि दशकों पहले से जारी इस समस्या से पार पाने के लिए सरकारों ने दावे तो बहुत किए, वक्त के साथ नए उपाय भी किए गए, लेकिन आज भी वहां जिस स्तर की आतंकवादी गतिविधियां चल रही दिखती हैं, वह देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। गौरतलब है कि हाल ही में सुरक्षा बलों को यह खबर मिली थी कि पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कुछ सदस्य घुसपैठ कर कठुआ के जंगलों में छिप गए हैं। उन्हीं आतंकवादियों की तलाश में जम्मू-कश्मीर की पुलिस की अगुवाई में अभियान चलाया जा रहा था। इस बीच गुरुवार की सुबह पुलिस बल ने आतंकियों के एक समूह को घेर लिया। इसके बाद हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया, लेकिन इस क्रम में तीन पुलिसकर्मी भी शहीद हो गए और सेना के दो जवानों सहित सात अन्य घायल हो गए। इसमें कोई दोराय नहीं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बल और वहां की पुलिस ने आतंकियों से मोर्चा लेने के मामले में हमेशा ही सजगता बरती है और इसमें उन्हें काफी हद तक कामयाबी मिली है। मगर यह भी कड़वी हकीकत है कि आज भी वहां आतंकवादी संगठन इस रूप में अपनी मौजूदगी बनाए हुए हैं कि वे सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमला कर देते हैं और कई बार उनकी जान भी चली जाती है। सुरक्षा बलों या किसी पुलिसकर्मी की शहादत की घटना दरअसल यह विचार करने की जरूरत को रेखांकित करती है कि आतंकियों से निपटने की रणनीति में क्या किसी बदलाव की जरूरत है! क्या इस समस्या की तहों में जाना अब भी बाकी है? जम्मू-कश्मीर में इतने लंबे समय तक प्रकारांतर से केंद्र सरकार का शासन रहा, सुरक्षा बलों की ओर से हर स्तर पर सावधानी और सख्ती बरती गई, अक्सर मुठभेड़ों में आतंकियों को मार गिराने में कामयाबी मिली, उसके बावजूद यह समझना मुश्किल है कि आज भी आतंकियों के हौसले में कमी क्यों नहीं आ पा रही है। क्या यह उनके आतंकी तंत्र के मजबूत संजाल और सीमापार से परोक्ष सहयोग के बूते हो रहा है या फिर कहीं किसी स्तर पर उनके पांव को राज्य से उखाड़ने के प्रति और ज्यादा सख्ती और गंभीरता की जरूरत है? जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन खत्म होने के बाद जब लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार ने काम करना शुरू किया था, तब उससे उपजी एक उम्मीद यह भी थी कि अब वहां नए सिरे से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शुरू होगी। मगर अब भी वहां सरकार के कामकाज का कोई ऐसा ठोस असर सामने नहीं आया है, जिससे आतंकियों के हौसले पस्त हों। वरना क्या वजह है कि हर स्तर पर निगरानी या चौकसी के बावजूद आए दिन आतंकी संगठन सुरक्षा बलों पर हमले कर देते हैं और उसमें कई जवान शहीद हो जाते हैं। केंद्र सरकार यह दावा जरूर करती है कि पिछले कुछ समय में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद में कमी आई है, मगर अक्सर सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ, उनसे सुरक्षा बलों की मुठभेड़, कुछ आतंकियों के मारे जाने के साथ-साथ सेना या पुलिस के जवानों की शहादत से यही लगता है कि वहां इस समस्या की जड़ें कायम हैं और शांति फिलहाल दूर की कौड़ी है। बल्कि पिछले कुछ वर्षों में आतंकियों के लक्षित हमलों में प्रवासी मजदूरों के मारे जाने की घटनाओं ने हालात के और जटिल होने को रेखांकित किया है।

खेलिए, कूदिए, हंसिए 'किडल्टिंग' से लौट रही मासूम खुशियां

अतीत हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। बचपन की स्मृतियों की ओर बार-बार मुड़ जाना हमें अच्छा लगता है। छूट गई चीजों से मोह उमड़ना इंसानी फितरत है। जब बचपन का घर, गांव, शहर, देश छूट जाता है तो व्यक्ति जीवन में एक बार उस शहर, देश गांव में जरूर लौटना चाहता है। इसी तरह बचपन के खेल-खिलौनों को देखकर उसके भीतर का बच्चा कुलबुला उठता है।

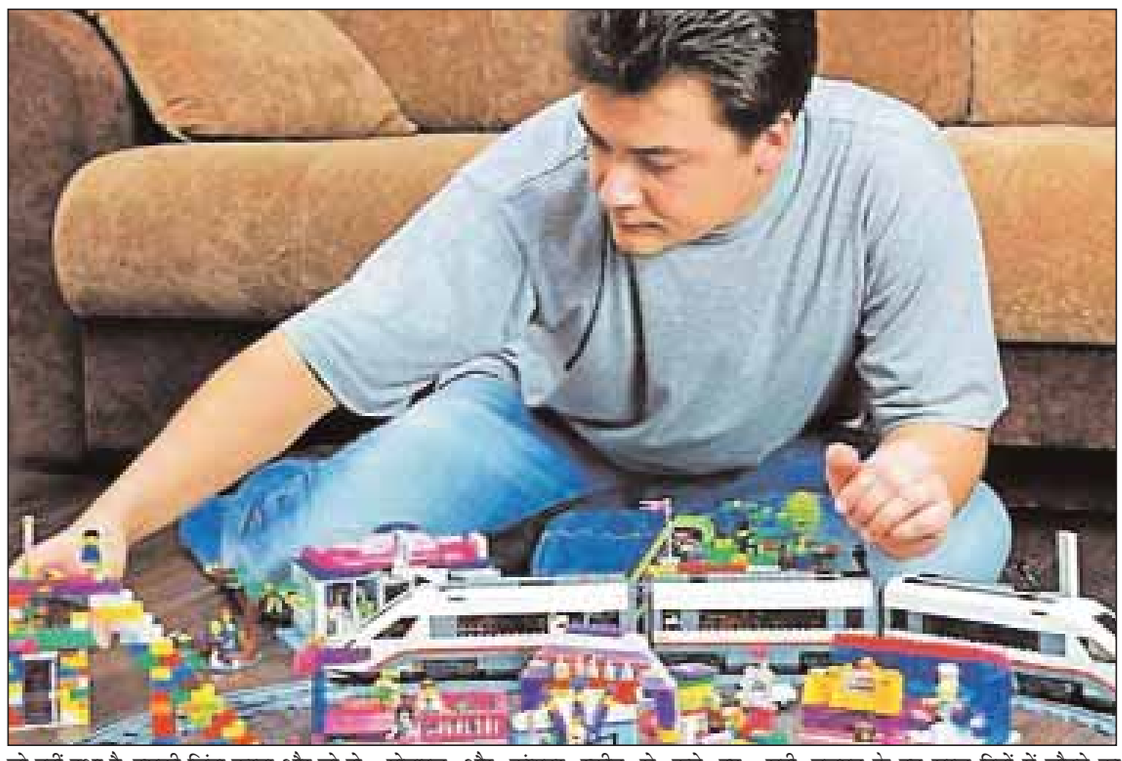

वर्तमान जिंदगी में तमाम सुविधाओं के बीच रहने वाले लोग भी अब ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, जिसमें वे जीवन की संवेदनाओं का अहसास नहीं कर पाते! जो इसकी वजहें ढूंढ़ पाने और उसके समाधान की ओर साहस के साथ देखने की कोशिश करते हैं, वे अपने बचपन की दुनिया में मौजूद जीवन-तत्त्व में इसका हल खोजते हैं।

अतीत हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। बचपन की स्मृतियों की ओर बार-बार मुड़ जाना हमें अच्छा लगता है। छूट गई चीजों से मोह उमड़ना इंसानी फितरत है। जब बचपन का घर, गांव, शहर, देश छूट जाता है तो व्यक्ति जीवन में एक बार उस शहर, देश गांव में जरूर लौटना चाहता है। इसी तरह बचपन के खेल-खिलौनों को देखकर उसके भीतर का बच्चा कुलबुला उठता है। तितलियों के पीछे भागना, पानी में छपाक-छपाक कूदना, गुड़िया-गुड्डों से खेलना जैसी बातों की स्मृति उसे आनंद से भर देती है। बचपन के इस आकर्षण को बुढ़ापे में जीने के लिए दुनिया में एक नया चलन चला है, जिसे 'किडल्टिंग' नाम दिया गया है। इसके जरिए दुनिया भर में कई युवा, अधेड़ और बुजुर्ग महिलाएं, पुरुष वह सब कर रहे है जो बचपन में करना उन्हें पसंद था, या जवानी में समय के अभाव के कारण वे कर नहीं पाए। 'किडल्टिंग' शब्द दो शब्दों के मेल से बना हुआ है- 'किड' और 'एडल्ट'। यानी बचपन और वयस्क की संधि। मनोवैज्ञानिक कार्ला मैरी मैनली के अनुसार, 'व्यावहारिक रूप से देखें तो यह बचपन की जानी-पहचानी, अच्छी लगने वाली गतिविधियों की ओर एक स्वाभाविक, सरल वापसी है।' मतलब बचपन में जिस लुका-छिपी के खेल को खेलकर हम रोमांच से भर उठते थे, उसी रोमांच को फिर से बुढ़ापे में खेलकर यह महसूस करने की कोशिश है। 'किडल्ट' शब्द का इस्तेमाल पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है, लेकिन इस चलन की लोकप्रियता में वास्तविक उछाल कोविड महामारी के शुरुआती महीनों में आया, जब सब अपने-अपने घरों में बंद पड़े भय और अवसाद से जूझ रहे थे। इस भय और निराशा को कम करने के लिए कुछ लोगों ने नए शौक पाले तो कुछ अपने पुराने बिछड़े शौक की ओर लौट आए। जब महामारी का भय कम हुआ, तब भी वयस्कों ने ऐसी गतिविधियां जारी रखीं। मतलब बचपन के शौक से जीवन में आए उत्साह को बनाए रखा। जब हम अपना मनपसंद काम करते हैं तो जीवन की चिंताओं से बेफिक्र हो जीते हैं। जो नहीं हुआ है, उसकी चिंता करना और जो हो गया है, उसकी भी चिंता करना हमारा स्वभाव होता है। इन चिंताओं के चलते हम जीवन के उल्लास से लगभग महरूम हो जा रहे हैं। 'किडल्टिंग' जिंदगी के भागमभाग में फंसे, अकेले रह गए या अवसाद से जूझ रहे लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। इस संदर्भ में 'जाय फ्राम फियर' की लेखक कार्ला मेरी मैनली का कहना है, 'पसंदीदा गतिविधियां करना अक्सर तनाव दूर करने के लिए एकदम सही विकल्प होता है।' बड़ी कंपनियां भी ऐसी गतिविधियों के चलन को बढ़ावा देने में तेजी से जुट गई हैं।

लंदन और मैड्रिड में एक संवाद संग्रहालय 'डोपामाइन लैंड' अपने 'अंदर के बच्चे' को जगाने के लिए बचपन और वयस्क अवस्था के संधिकाल की गतिविधियां करवाता है। एम्स्टर्डम में हर उम्र के लोगों के लिए बना संवाद संग्रहालय साहसी लोगों को गुलाबी मार्शमैलो के समुद्र में गोता लगाने और दीवारों पर अगड़म-बगड़म कुछ भी लिखने या चित्र बनाने की सुविधा देता है। यूनाइटेड किंगडम के तीन शहरों में वयस्कों के लिए एक विशाल बाल पिट है, जहां हर महीने हजारों लोग मजे लेने के लिए आते हैं। दिन भर मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से ऊबे हुए कामकाजी लोग इससे दूरी बनाने के दिलचस्प बहाने खोजने लगे हैं। बचपन की दुनिया में वापसी उन्हें पसंद आ रही है, क्योंकि इसमें वे उस बीते समय को जीते हैं, जब अधिकतर लोगों के पास मोबाइल और कंप्यूटर नहीं था।

आखिर कुछ तो कारण होगा कि अपनी वर्तमान जिंदगी में तमाम सुविधाओं के बीच रहने वाले लोग भी अब ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, जिसमें वे जीवन की संवेदनाओं का अहसास नहीं कर पाते! जो इसकी वजहें ढूंढ़ पाने और उसके समाधान की ओर साहस के साथ देखने की कोशिश करते हैं, वे अपने बचपन की दुनिया में मौजूद जीवन-तत्त्व में इसका हल खोजते हैं। अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'हफपोस्ट' के अनुसार, पुरानी यादों को ताजा करने वाली गतिविधियों में शामिल होने से मन की सेहत सुधरती है। 'इमोशन' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन की मानें तो पुरानी यादें आत्म-निरंतरता को प्रोत्साहित करती हैं, यानी अतीत और वर्तमान के बीच भावनात्मक संबंध को बनाए रखती हैं। जानकारों का कहना है कि 'किडल्टिंग' हमें कुछ पलों या घंटों के लिए ही सही, बचपन के उन सरल दिनों में लौटने का अवसर देता है, जो हमें खुशी देते थे। एक खबर यह भी आई थी कि लंदन स्थित 'डोपामाइन लैंड' जैसी जगहें खुश करने वाले हारमोन डोपामाइन को भी सक्रिय कर रही हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कुछ समय पहले कहा था कि कोविड महामारी में वैश्विक स्तर पर चिंता और अवसाद के मामलों में पच्चीस फीसद की बढ़ोतरी हुई है। इसलिए लोगों को खुश रहने के विकल्प तलाशने चाहिए। कई मनोवैज्ञानिक वयस्कों को चिंतित या तनावग्रस्त होने पर आपस में खेल खेलने, चित्रकारी करने, मिट्टी से मूर्तियां बनाने आदि का सुझाव देते हैं। शुरुआत में यह चिंताओं या जिम्मेदारियों के बोझ से बचने का एक तरीका हो सकता है, लेकिन समय बीतने पर ये गतिविधियां हमें विस्मय की भावनाओं से भरने लगती हैं, क्योंकि शौक पूरा करते हुए साधारण चीजों को भी हम नए नजरिए से देखने लगते हैं, जिसमें जिज्ञासा, आनंद और कल्पना हो। ऐसी गतिविधियों से हमारे व्यवहार में सहजता बढ़ती है। हमारे अंदर अच्छा महसूस कराने वाले हारमोन होते हैं। यहां तक कि हमारी सोच और समझ व्यवस्थित होती है।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय संस्कृति का प्रतीक हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत् 2082

आज से हिंदू कैलेंडर का नया वर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरुआत होने जा रही है। हिंदू विक्रम संवत 2082 अंग्रेजी कैलेंडर के वर्ष 2025 से 57 वर्ष आगे होगा। नववर्ष के दिन प्रत्येक इंसान चाहे कहीं भी हो अपने आपको को उत्साहित, प्रफुल्लित व नई उर्जा से ओतप्रोत महसूस करता है। अधिकतर देशवासी 1 जनवरी को ही नववर्ष की शुरुआत मानते हैं लेकिन अपनी संस्कृति व इतिहास के प्रति हमारी उदासीनता के चलते यह सत्य नहीं है। 1 जनवरी से शुरू होने वाला कैलेंडर तो ग्रिगोरियन कैलेंडर है। इसकी शुरूआत 15 अक्टूबर 1582 को इसाई समुदाय ने क्रिसमस की तारीख निश्चित करने के लिए की थी क्योंकि इससे पहले 10 महीनों वाले रूस के जूलियन कैलेंडर में बहुत सी कमियां होने के कारण हर साल क्रिसमस की तारीख निश्चित नहीं होती थी। इस उलझन को सुलझाने के लिए 1 जनवरी को ही इन लोगों ने नववर्ष मनाना शुरू कर दिया। क्या हम भारतीयों ने भी यह सोचा की हमारा नववर्ष कबसे शुरू होता है? हमारा अपना क्या इतिहास है? ठीक है किसी को भी कोई भी उत्सव जब मर्जी मनाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए यह उसका अपना निजी अधिकार है लेकिन क्या हम अपनी संस्कृति व अपने संस्कारों की तिलांजलि दे कर उत्सव मनाएं? आज जिस भारतीय संस्कृति का अनुसरण विदेशी लोगों ने करना शुरू किया है उसी भारतीय संस्कृति व सभ्यता को हम तहस-नहस करने पर तुले हैं। भारतीय कैलेंडर के अनुसार नववर्ष का आगाज 1 जनवरी से नहीं बल्कि चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से नवसंवत्सर आरंभ होता है जो अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार अक्सर मार्च-अप्रैल माह में आता है। पौराणिक मान्यता है कि पतझड़ के बाद बसंत ऋतु का आगमन भारतीय नव वर्ष के साथ ही होता है। बसंत में पेड़-पौधे नए फूल और पत्तियों से लद जाते हैं। इसी समय किसानों के खेतों में फसल पक कर तैयार होती है। पौराणिक तथ्यों के अनुसार, इसी शुभ दिन प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक भी हुआ था। शरद ऋतु की कड़कड़ाती सर्दी में प्रायः सभी पेड़ों के पत्ते गिर जाते है ऐसे में बसंत के आगमन पर पेड़ों पर नए पत्ते एवं नवीन कोपलें आने लगती है। इस काल में प्रायः चारों ओर हरे भरे पेड़ पौधे एवं हरियाली दिखाई देने लगती है। यह पेड़-पौधों पर नए फल आने का समय होता है। इस समय चारों ओर रंग-बिरंगे सुन्दर फूल खिलने लगते है एवं पेड़ की शाखाओं पर पक्षी गाने लगते है। इस समय पूरी प्रकृति ही नए रंग में रंगी हुई प्रतीत होती है। चारों ओर वसंत ऋतु में जीवन की नवीनता दिखाई देने लगती है। ऐसे में प्रकृति भी हिन्दू नववर्ष का

स्वागत करती हुई प्रतीत होती है। भारतीय हिंदू कैलेंडर की गणना सूर्य और चंद्रमा के अनुसार होती है। दुनियाँ के तमाम कैलेंडर किसी न किसी रूप में भारतीय हिंदू कैलेंडर का ही अनुसरण करते हैं। भारतीय पंचांग और काल निर्धारण का आधार विक्रम संवत ही हैं। जिसकी शुरुआत मध्य प्रदेश की उज्जैन नगरी से हुई। यह हिंदू कैलेन्डर राजा विक्रमादित्य के शासन काल में जारी हुआ था तभी इसे विक्रम संवत के नाम से भी जाना जाता है। विक्रमादित्य की जीत के बाद जब उनका राज्यारोहण हुआ तब उन्होंने अपनी प्रजा के तमाम ऋणों को माफ करने की घोषणा करने के साथ ही भारतीय कैलेंडर को जारी किया इसे विक्रम संवत नाम दिया गया। यही नहीं यूनानियों ने नकल कर भारत के इस हिंदू कैलेंडर को दुनियाँ के अलग-अलग हिस्सों में फैलाया। भले ही आज दुनिया भर में अंग्रेजी कैलेंडर का प्रचलन बहुत अधिक हो गया हो लेकिन फिर भी भारतीय कलैंडर की महत्ता कम नहीं हुई। आज भी हम अपने व्रत-त्यौहार, महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि, विवाह व अन्य सभी शुभ कार्यों को करने के मुहूर्त आदि भारतीय कलेंडर के अनुसार ही देखते हैं। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही वासंती नवरात्र भी प्रारंभ होते हैं। सबसे खास बात इसी दिन ही सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। ताज्जुब होता है जिस भारतीय कैलेंडर ने दुनियाँ भर के कैलेंडर को वैज्ञानिक राह दिखाई आज हम उसे ही भूलने लग गए हैं। भारतीय हिंदू नववर्ष के दिन शुभकामनाएं देने से हिचकिचाते हैं शायद इसलिए की कहीं हम पर रूढ़ीवादी का टैग न लग जाए? जबकि अपनी संस्कृति संस्कारों का अनुसरण करना रूढ़िवादीता नहीं। यह तो वह बहुमूल्य धरोहर है जिससे एक तरफ पूरा विश्व सीख रहा है तो दूसरी ओर हम इस धरोहर को खोते जा रहें हैं। दुनिया को राह दिखाने वाली संस्कृति आज खुद राह से भटकने को मजबूर है। भले ही आज सोशल मीडिया पर हिंदू नववर्ष को मनाने के लिए हम सब संदेशों को प्रचारित प्रसारित कर रहे हों लेकिन हकीकत में उस दिन को भूल जाते हैं। अपने धर्म व संस्कृति के उत्सवों को मनाने का सभी में लगाव होना चाहिए। हमारे महापुरुषों व वीर योद्धाओं ने धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए बहुत बलिदान दिया है क्या वह बलिदान इसलिए ही दिया था की एक दिन हम अपनी संस्कृति व धर्म को ही भूल जाएं? अभी भी समय है सभी को मिलजुलकर ऐसा प्रयास करना चाहिए जिससे विश्व में हमारी संस्कृति का एक ऐसा संदेश जाए की हम भारतीय अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए एकजुट हैं। क्या अब भी हमें अपने हिंदू कैलेंडर के अनुसार नववर्ष को नहीं मनाना चाहिए? जिसमें पूरे ब्रह्माण्ड की रचना है। आओ इस हिंदू नववर्ष को धूमधाम से मनाएं और आपसी भाईचारे व प्रेम को विश्वभर में ले जाएं।

आलेखः
डॉ. राकेश वशिष्ठ
वरिष्ठ पत्रकार एवं
संपादकीय लेखक

भड़काऊ बयान, सपा सांसद की राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी

एक भड़काऊ बयान किस तरह हंगामे का कारण बन सकता है, इसका उदाहरण है समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन की ओर से राणा सांगा को लेकर की गई विवादित टिप्पणी। उन्हें इस टिप्पणी के जरिये अपने अधकचरे इतिहास ज्ञान का प्रदर्शन करने की कोई आवश्यकता नहीं थी।

सपा सांसद रामजीलाल सुमन को यह कहीं अच्छे से आभास होना चाहिए था कि राणा सांगा को लेकर देश का जनमानस कैसे विचार रखता है। यदि उनके बयान से कुपित लोग इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि उन्होंने संकीर्ण राजनीतिक कारणों से राणा सांगा को लेकर उकसावे वाला बयान दिया तो इसके लिए उन्हें दोष नहीं दिया जा सकता। एक भड़काऊ बयान किस तरह हंगामे का कारण बन सकता है, इसका उदाहरण है समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन की ओर से राणा सांगा को लेकर की गई विवादित टिप्पणी। उन्हें इस टिप्पणी के जरिये अपने अधकचरे इतिहास ज्ञान का प्रदर्शन करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि उन्होंने यह टिप्पणी तब की, जब राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर बहस हो रही थी। लगता है वह महाराष्ट्र के अपने विधायक अबू आजमी की तरह से चर्चा में आने का बहाना खोज रहे थे। यदि ऐसा कुछ नहीं था तो फिर इसकी क्या जरूरत थी कि वह बाबर की निंदा-आलोचना पर आपत्ति जताते हुए राणा सांगा पर सवाल उठाते? इसकी जरूरत इसलिए और भी नहीं बनती थी, क्योंकि अधिकांश इतिहासकार उस बात से सहमत नहीं,

जो उन्होंने बेतुके तरीके से कही। यदि इतिहास की कथित विसंगतियों का उदाहरण देने के लिए वैसा भोंडा तरीका अपनाया जाएगा, जैसा उन्होंने अपनाया तो इसे शरारत ही अधिक कहा जाएगा। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि उन्होंने वोट बैंक की सस्ती राजनीति के चलते राणा सांगा पर भड़काऊ बयान दिया। एक ओर वह यह मानते हैं कि इस देश में कोई भी बाबर की सराहना नहीं करता और दूसरी ओर उसकी निंदा पर उन्हें कष्ट भी होता है। आखिर क्यों? रामजीलाल सुमन को यह कहीं अच्छे से आभास होना चाहिए था कि राणा सांगा को लेकर देश का जनमानस कैसे विचार रखता है। यदि उनके बयान से कुपित लोग इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि उन्होंने संकीर्ण राजनीतिक कारणों से राणा सांगा को लेकर उकसावे वाला बयान दिया तो इसके लिए उन्हें दोष नहीं दिया जा सकता। निःसंदेह इसका यह भी अर्थ नहीं कि उनके बयान से कुपित लोग उनके घर धावा बोल देते। लोकतंत्र में इस तरह के कृत्य के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। किसी भड़काऊ बयान का विरोध कानून के दायरे में रहकर ही किया जाना चाहिए। इसकी इजाजत किसी को नहीं कि वह अपनी भावनाएं आहत होने के नाम पर हिंसा और तोड़फोड़ का सहारा ले। दुर्भाग्य से अब ऐसा आए दिन होने लगा है। इस प्रवृत्ति पर लगाम लगानी होगी, लेकिन इसी के साथ नेताओं को किसी भी विषय पर विचार व्यक्त करते समय सोच-समझकर बोलना सीखना होगा। ऐसा इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि नेताओं के बेतुके और उकसावे वाले बयानों के चलते सार्वजनिक विमर्श दूषित हो रहा है। विडंबना यह है कि कई बार ऐसे बयान जानबूझकर दिए जाते हैं। इससे बुरी बात और कोई नहीं हो सकती कि समाज को विभाजित करने वाले भड़काऊ बयान जानबूझकर दिए जाएं। यह विचित्र है कि रामजीलाल सुमन यह तो कह रहे हैं कि उनका इरादा किसी का अपमान करने का नहीं था, लेकिन उन्हें अपने कहे पर कोई अफसोस भी नहीं।

थाईलैंड-म्यांमा में कुदरत का कहर, तबाही के भयावह दृश्य और बचाव के इंतजाम

बताया जा रहा है कि बीते एक दशक के दौरान यह पहली बार है जब बैंकाक में इतना तेज भूकम्प महसूस किया गया। हालांकि थाईलैंड को भूकम्प के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील नहीं माना जाता है, शायद इसीलिए वहां भवनों को बनाने के क्रम में भूकम्परोधी तकनीक का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी नहीं माना जाता।

भारत में भी आए दिन भूकम्प के झटके किसी बड़ी आशंका के संकेत हो सकते हैं। थाईलैंड और म्यांमा में शुक्रवार को आए भूकम्प और उससे हुई तबाही ने एक बार फिर दुनिया के सामने इस चुनौती से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर ठोस उपाय करने की जरूरत को रेखांकित किया है। म्यांमा में रिक्टर स्केल पर इस भूकम्प की तीव्रता 7.7 मापी गई। अमेरिकी जियोलाजिकल सर्वे के मुताबिक म्यांमा में पहले झटके के बारह मिनट के बाद दूसरा झटका आया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। खबरों के मुताबिक, इस भूकम्प से भारी तबाही हुई है और हजारों लोगों के मरने की आशंका है। वहीं थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में भी कई इलाकों से इमारतों के गिरने, सड़कों में दरारें आने और पुल के धराशायी होने सहित बड़े पैमाने पर नुकसान होने की खबरें आईं। बताया जा रहा है कि बीते एक दशक के दौरान यह पहली बार है जब बैंकाक में इतना तेज भूकम्प महसूस किया गया। हालांकि थाईलैंड को भूकम्प के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील नहीं माना जाता है, शायद इसीलिए वहां भवनों को बनाने के क्रम में भूकम्परोधी तकनीक का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी नहीं माना जाता। मगर चूंकि थाईलैंड के

पड़ोस में स्थित म्यांमा में अधिक भूकम्प आते हैं, इसलिए उसके असर से इस बार नुकसान का दायरा ज्यादा होने की आशंका है। दरअसल, इस स्तर के भूकम्प के तुरंत बाद उससे हुई क्षति का आकलन नहीं हो पाता है, लेकिन बाद में आमतौर पर तबाही का दायरा बड़ा दर्ज किया जाता है। यही वजह है कि म्यांमा के बड़े हिस्से में आपातकाल का एलान कर दिया गया। इस तरह की किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में स्वाभाविक ही सबसे पहली जरूरत प्रभावित इलाकों में तुरंत पीड़ितों के लिए हर जरूरी चीजों की सहायता पहुंचाना होती है। इसी के मद्देनजर भारत ने बिना देर किए तबाही पर चिंता जाहिर करते हुए मदद की पेशकश की। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर संभव सहायता देने और अधिकारियों को तैयार रहने को कहा। पिछले कुछ दशकों से कुदरती आपदाओं के स्वरूप में तेजी से बदलाव आता दिख रहा है। भारत में भी आए दिन भूकम्प के झटके किसी बड़ी आशंका के संकेत हो सकते हैं। प्राकृतिक आपदा को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उससे बचाव के पुख्ता इंतजाम करके उससे होने वाले नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में विद्यालय के साथ समुदाय/पालकों की भूमिका सबसे अहमः दुर्गेश सिंह

जिले के समस्त 1799 शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में आयोजित हुआ द्वितीय चरण का एफएलएन मेला

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मिशन अंकुर कार्यक्रम संचालित है। जिले के समस्त शासकीय प्राथमिक शालाओं में 29 मार्च को शाला समय पर कक्षा 1 एवं 2 हेतु एफएलएन (बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान) मेला का आयोजन किया गया। एफएलएन मेला का मुख्य उद्देश्य बच्चों के माताओं/अभिभावकों एवं समुदाय को बच्चों के अधिगम यात्रा से जोड़ना रहा। विद्यालय स्तरीय इस मेले में कुल 7 स्टॉल लगाए गए, जिसमे शारीरिक, बौद्धिक, भाषा एवं गणित के विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का अधिगम स्तर का आकलन कर पालकों के समक्ष बच्चों को एफएलएन रिपोर्ट कार्ड दिया गया।

राज्य शिक्षा केंद्र से निपुण भारत मिशन के बेहतर क्रियान्वयन के लिए जिले में पदस्थ निपुण प्रोफेशनल/जिला एफएलएन प्रभारी दुर्गेश सिंह ने जनपद शिक्षा केंद्र मुरैना के बालक क्रमांक दो जनशिक्षा केन्द्र के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय नवीन एसएएफ, ईपीईएस बिचौला, जनशिक्षा केंद्र नूराबाद के अंतर्गत चुरहेला, नवाब सिंह का पुरा, बरिंडा, जनशिक्षा केंद्र दतहरा के पिलुआ, जनशिक्षा केंद्र खड़कपुर के प्राथमिक विद्यालय बिसैठां में एफएलएन मेले का अवलोकन करने पहुंचे, उन्होंने बच्चों, पालकों, का मेले में सर्वप्रथम स्वागत किया। इसके उपरांत कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों और उनके पालकों के साथ मेले में लगे सभी स्टॉल पर बच्चों की गतिविधियों का अवलोकन किया एवं बच्चों को उनके प्रयासों के लिए प्रोत्साहित किया। जिला एफएलएन प्रभारी ने प्राथमिक विद्यालय नवीन एसएएफ, प्राथमिक विद्यालय मुंगावली के समस्त शिक्षकों को बेहतरीन एफएलएन मेले के आयोजन करने हेतु बधाई देते हुए जिले के समस्त शिक्षकों, जनशिक्षकों को द्वितीय चरण के मेले के सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए कहां की किसी भी आयोजन की सफलता में प्रबल इच्छाशक्ति का होना सबसे अहम योगदान देता है, जिन विद्यालयों में मेले का आयोजन नहीं मिला उन विद्यालय के जन शिक्षकों को विद्यालय से ही निपुण प्रोफेशनल ने सूचित किया। एफएलएन मेले में बीएसी जनपद शिक्षा केंद्र मुरैना पंजाब सिंह यादव ने बच्चों और पालकों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान के महत्व को बताते हुए निरंतर बच्चों को विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करते हुए पालकों से अपील किया की आप बच्चों को उनके बुनियादी स्तर को मजबूत करने हेतु नियमित विद्यालय में पढ़ाए गए अधिगम को देखें व दैनिक जीवन के उदाहरण से जोड़ते हुए उनके समझ को और बेहतर करने में अपनी भूमिका जरूर सुनिश्चित करें। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन से दीपक विश्वकर्मा ने जनशिक्षा केंद्र एमएलवी के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय जौरी में एफएलएन मेले का अवलोकन किया।

संस्कारों के साथ शिक्षा देने का कार्य शिशु मंदिर में ही संभवः श्रीमती राणा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शहर के फाटक बाहर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर सुभाष नगर मुरैना में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन कर वंदना से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रिमझिम सिंघल फिजियोथेरेपिस्ट, विशिष्ट अतिथि पूर्व छात्र भैया अभिषेक सिंहल श्रीजी होटल मुरैना, मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती हेमलता राणा (किशोर न्याय सदस्य) एवं अध्यक्षता मुकेश जाटव ने की।

विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अंजू शर्मा ने परीक्षा परिणाम की घोषणा करते हुए सभी भैया/बहनों,अभिभावकों को बधाई दी। विभिन्न विधाओं में सहभागिता और उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पुरस्कार वितरण किए गए साथ ही कक्षा में प्रथम, द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्रीमती हेमलता राणा ने कहा कि अन्य विद्यालय सिर्फ शिक्षा देते हैं, लेकिन संस्कारों के साथ शिक्षा देने वाली संस्था सिर्फ शिशु मंदिर ही है। वर्तमान पीढ़ी में बहुत भटकाव है, यदि अपने नौनिहालों का जीवन सुरक्षित रखना है तो विद्या भारती के शिशु मंदिर में अपने बच्चों को शिक्षा के लिए प्रवेश दिलाए। अंत में आभार विद्यालय के उपाध्यक्ष ने किया। इस अवसर पर समिति सदस्य श्रीमती बविता गोलश अन्य सदस्य अभिभावक समाजसेवी आचार्य परिवार, बी.एड महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती वसुंधरा जादौन एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्तिथ रहे।

विद्युत पेंशनर्स का वार्षिक सम्मेलन सम्पन्न, क्रमबद्ध आंदोलन की घोषणा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी मुरारी लाल प्रजापति द्वारा दी जानकारी अनुसार विद्युत मंडल पेंशनर्स समाज का वार्षिक सम्मेलन पूजा लान,परासिया रोड़ छिंदवाड़ा में सम्पन्न हुआ।

सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में विवेक साहू, सांसद छिंदवाड़ा एवं मुख्य अतिथि में एस.के. जायसवाल, प्रांतीय अध्यक्ष, एल.पी. अग्रवाल, प्रांतीय महासचिव कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे। सर्वप्रथम माँ सरस्वती का पूजन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् मंचासीन समस्त अतिथियों एवं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए अतिथियों का फूल माला, शॉल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले लगभग 70 सदस्यों का शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं पर बोलते हुए प्रांतीय अध्यक्ष एवं सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री जायसवाल ने मुख्यमंत्री से पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं जिसमें बकाया 3 प्रतिशत डीआर मय एरियर्स, पेंशन की एस्क्रो गारंटी, कम्यूटेशन का कटौत्रा 10.8 वर्ष करने, केशलेश हेल्थ पोलीसी के आदेश आदि मांगों से युक्त 13 सूत्रीय मांग पत्र की जानकारी दी एवं उक्त ज्ञापन मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन को सांसद के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया। कार्यक्रम को विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों आर.डी. कामडे, सुरेश बाबू खरे, के.सी. जैन, के.के. मनवारे, पी.पी. मिश्रा, आई.डी. पटले, घनश्याम खण्डेलवाल, एम.एम. अंसारी, विद्याधर पांडे, जे.पी. नामदेव, डॉ. प्रेम श्रीवास्तव एवं अन्य वक्ताओं द्वारा संबोधित किया गया। एस.के. जायसवाल प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया गया एवं कहा कि मांगें नहीं माने जाने पर शीघ्र ही प्रांतीय आंदोलन क्रमबद्ध किये जाने की घोषणा की। तत्पश्चात् सचिव एस.जी. माकड़े द्वारा संगठन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से भारी संख्या में पेंशनर्स एवं परिवार पेंशनर्स उपस्थित हुए। दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं राष्ट्रगान के पश्चात् आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

ध्यान मन को शांत रखने का सबसे अच्छा तरीका हैः न्यायमूर्ति श्रीमती यादव

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभु उपहार भवन माधौगंज में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्रीमती सुनीता यादव, स्थानीय केंद्र प्रमुख ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी, बीके प्रहलाद उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में बी.के. आदर्श दीदी ने कहा कि जीवन में यदि सादगी और सत्यता है तो वह हर क्षेत्र में सफल हो सकता है। आज के दौर में लोग शॉर्टकट ढूढ़ते है। जबकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता मेहनत ईमानदारी और लगन से कार्य करने पर ही सफलता मिलती है। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्रीमती सुनीता यादव ने कहा कि दुनिया में आज कई लोग बहुत दुःखी और परेशान हैं। इन सबसे छूटने के लिए आध्यत्मिकता हमें बहुत मदद करती है। आज हर उस व्यक्ति को अपने जीवन में आध्यात्मिकता का समावेश करना चाहिए जिसके जीवन में उतार चढ़ाव बहुत आते है।

हमने जब सहज रीति से ही अपने जीवन में राजयोग ध्यान को आत्मसात किया तो बहुत सकारात्मक अनुभव हुए। उन्होंने कहा कि जब आपके सामने तरह-तरह की परिस्थितियों हैं और आपका मन स्थिर नहीं है अंदर से शांत नहीं है विचलित है तो परिस्थितियों को सही ढंग से समझ नहीं पाते। लेकिन आपका मन जब शांत और स्थिर है तब आप निरपेक्ष भाव से साक्षी भाव से उसको देख रहे होते हैं तो आपको हर परिस्थिति पर विजय पाने में मदद मिल सकती है। ध्यान मन को शांत रखने का सबसे अच्छा तरीका है।

सरस्वती शिशु मंदिर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सरस्वती शिशु मंदिर पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मुरैना में बच्चों का वार्षिक परिणाम घोषित किया गया। इसमें सभी भैया-बहिन 100 प्रतिशत प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए और गत दिवस पांचवी और आठवीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम आया, उसमें भी सभी भैया-बहिन प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। आठवीं में प्रथम स्थान पर बहिन गरिमा शर्मा एवं पांचवी में बहिन गौरी गुर्जर प्रथम स्थान पर एवं राधिका शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। सभी भैया एवं बहिनों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शारदा शिक्षा समिति के व्यवस्थापक विवेक वर्मा एवं मुरैना जिला की प्रतिनिधि पंकज गुप्ता एवं उपसमिति सदस्य दीपक गुप्ता, अभिभावक सदस्य पीयूष ठाकुर एवं विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती मीरा गोलश रही। बच्चों के साथ अभिभावकों की भी सहभागिता रही।

मैं दिन-रात आपके साथ खड़ा हूंः विधायक सिकरवार

ग्वालियर। हमारा लक्ष्य क्षेत्र के विकास व प्रगति को शिखर तक पहुंचाना है। क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधायें जैसे सड़क, सीवर, स्ट्रीट लाईट, स्वच्छ पेयजल मिले यही प्रयास रहा है और इस प्रयास में हम सफल भी रहे है। आप सभी को क्षेत्र की जनता से मिलकर उन्हे मूलभूत सुविधायें मिले इसके लिये कार्य करना है और आपको जहां पर मेरी जरूरत हो मैं दिन-रात आपके साथ खड़ा हूं। यह विचार विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 30 के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कही। बैठक में विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विकास करती है और दूसरी पार्टी के लोग झूठ-फरेब एवं भ्रम फैलाने की राजनीति करते हैं। आज इस बात की आवश्यकता है कि हम सभी को मिलकर जनता के बीच पहुँच कर उन्हे भाजपा की कुरूतियों और जन विरोधी नितियों के बारे में बताना है। बैठक में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह नेताजी, ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह चौहान, पूर्व पार्षद नरेन्द्र यादव, उदल सिंह, निहाल सिंह आदि मौजूद थे।

महलगांव करौली मैया के दरबार में रोज मनेगा उत्सव

ग्वालियर। सिद्ध पीठ कैला महारानी एवं कुंअर महाराज मंदिर महलगांव में 30 मार्च से 6 अप्रैल तक चैत्र नवरात्रि महोत्सव का आयोजन धूमधाम के साथ होगा। महामंडलेश्वर कपिल दास महाराज ने बताया कि कैलादेवी मंदिर में प्रतिदिन सुबह 4 बजे मंदिर के द्वार खोले जाएंगे। उसके बाद शाम 5 बजे कैला महारानी का गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। उसके उपरांत 7 बजे 16 श्रृंगार किए जाएंगे। उसके बाद आरती होगी, तत्पश्चात मंदिर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुलेगा। शाम 6 बजे हवन यज्ञ होगा। 6.30 बजे श्री कुंअर महाराज की दिव्य आरती होगी। शाम 7 बजे राजराजेश्वरी श्री कैला महारानी की महाआरती और उसके बाद हवन की पूर्णाहुति होगी। उसके बाद पुनरू कैला महारानी के दर्शन हो सकेंगे। रात्रि 12 बजे के बाद मंदिर के कपाट बंद हो जाएंगे। इसी क्रम से पूजा अर्चना प्रतिदिन चैत्र नवरात्रि महोत्सव में रहेगी।

स्कोडा ऑटो ने वियतनाम में खोला नया असेंबली प्लांट, भारत से होगा कुशाक और स्लाविया के पार्ट्स का निर्यात

मुंबई। वियतनाम तेजी से बढ़ते आसियान बाजारों में से एक है और व्यापक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसी अवसर को भुनाने और अपने विस्तार को मजबूत करने के लिए, प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता स्कोडा ऑटो ने वियतनाम के क्वांग निन्ह प्रांत में अपने क्षेत्रीय भागीदार थान्ह कॉन्ग ग्रुप के सहयोग से एक अत्याधुनिक असेंबली प्लांट की स्थापना की है। इस फैक्ट्री में भारत से आयातित कम्प्लीटली नॉक्ड डाउन (सीकेडी) किट्स से स्कोडा कुशाक एसयूवी और स्लाविया सेडान का असेंबली उत्पादन किया जाएगा। कुशाक का सीरीज उत्पादन 26 मार्च से शुरू हो चुका है, जबकि स्लाविया का उत्पादन इस गर्मी में शुरू होने की योजना है। यह संयंत्र भारत-वियतनाम के भौगोलिक तालमेल का लाभ उठाने और लागत को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए स्थापित किया गया है। फैक्ट्री में वेल्डिंग, पेंटिंग, असेंबली, गुणवत्ता नियंत्रण, सटीक मापन इकाई और लगभग दो किलोमीटर लंबा टेस्ट ट्रैक शामिल है।

स्कोडा ऑटो के सीईओ क्लाउस ज़ेलमर ने कहा, ''वियतनाम में यह नई असेंबली लाइन स्कोडा की वैश्विक विस्तार रणनीति का अहम हिस्सा है। हमारे मुख्य भारतीय बाजार के साथ मिलकर काम करके हम स्कोडा और अपने लोकल पार्टनर के लिए सफलता की नींव रख रहे हैं।''

वियतनाम में स्कोडा के 15 बिक्री केंद्र हैं, जिन्हें 2025 के अंत तक 32 करने की योजना है। कंपनी का लक्ष्य आसियान क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है, क्योंकि वियतनाम दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे तेजी से बढ़ते ऑटोमोबाइल बाजारों में से एक है। इस पहल से स्कोडा भारत में अपनी उत्पादन सुविधाओं का लाभ उठाते हुए, आसियान और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करेगा।

निगमायुक्त पहुंचे लक्ष्मण तलैया, साफसफाई और पेयजल व्यवस्था को देखा

ग्वालियर। विगत दिवस निगम आयुक्त संघ प्रिय ने लक्ष्मण तलैया पहुंचकर साफ सफाई और पेयजल व्यवस्था को देखा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय निवासियों, सफाई मित्रों से चर्चा भी की। निगम आयुक्त संघ प्रिय गुरूवार सुबह निरीक्षण पर निकले। सबसे पहले निगमायुक्त लक्ष्मण तलैया पहुंचे और वहां लक्ष्मण तलैया के जीर्णोद्धार कार्य को देखा तथा आमजन से चर्चा कर लक्ष्मण तलैया में वर्षभर साफपानी भरा रहे इसके बारे में चर्चा की। साथ ही लक्ष्मण तलैया के पास आयुष्मान केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने स्टाफ नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने हीरा भूमिया पानी की टंकी को देखा तथा जानकारी ली कि इस टंकी से कहां कहां पानी सप्लाई किया जाता है और इसकी टाइमिंग क्या है। निगमायुक्त के निरीक्षण के दौरान शिंदे की छावनी पर नाले पर सफाई कर रहे सफाई मित्रों से चर्चा कर उनसे पूछा कि कितनी बार सफाई करते हो तथा सफाई दरोगा से स्वच्छता के संबंध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उत्तर भारत में बर्फबारी का असर ग्वालियर में, सुबह हुई ठंडक - 12 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली हवा -

ग्वालियर। पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते ग्वालियर में सुबह से ही ठंडक बढ़ गई। जिससे तापमान एक ही दिन में 6.7 डिग्री कम हो गया। पश्चिमी विक्षोभ के चलते अंचल में कही-कहीं बादल आ सकते है। वहीं उत्तर से आने वाली हवा फिजा में ठंडक घोले हुए है। आने वाले दो दिन मौसम में पश्चिमी विक्षोभ के चलते उतार-चढ़ाव आते रहेंगे।

मौसम विभाग की मानें तो मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न भागों में सक्रिय मौसम प्रणालियों के प्रभाव से मौसम बदल गया है। आसमान में बादल छाए हुए हैं, इसके चलते अगले 24 घंटे के दौरान ग्वालियर-चंबल संभाग में कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। मौसम विभाग ने ग्वालियर, दतिया, भिण्ड, मुरैना जिलों में तेज हवा का अलर्ट किया है। जिससे दो दिन तक मौसम में ठंडक बनी रहेगी। दो दिन से तापमान लगातार बढ़ रहा था। दो दिन पहले जहां तापामन 20 डिग्री था और बीते रोज 24.1 डिग्री था, जो उत्तर से आई बर्फबारी के चलते 17.4 डिग्री पर आ गया, जिससे सुबह जब लोग जागे तो उन्हें ठंड़क महसूस हुई। सबसे ज्यादा परेशानी दो पहिया वाहन चालकों को हुई, जो ठंडक के कारण बाइक पर कंपकंपाते नजर आए। अगले 24 घंटे के दौरान ग्वालियर एवं चंबल संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। जबकि ग्वालियर, दतिया, भिण्ड, मुरैना जिलों में कहीं-कहीं काफी तेज गति से हवाएं चल सकती हैं।

ग्वालियर में शनिवार की सुबह से ही मौसम में ठंडक बनी हुई है, लेकिन सूरज के तेवरों में कोई कमी नहीं आई। ठंडक के चलते पिछले दिन की तुलना में न्यूनतम तापमान में 6.7 डिग्री का अंतर आया है। शुक्रवार को जहां न्यूनतम तापमान 24.1.8 डिग्री था तो शनिवार को न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री दर्ज किया गया है। बीते रोज अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया था। शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे अधिकतम तापमान 10.6 डिग्री दर्ज किया गया।

मदाखलत अमले ने अतिक्रमण हटाकर वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने गुरूवार को अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। मदाखलत अधिकारी केशव सिंह एवं शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि शहर में सुगम यातायात हो इसके लिएयातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। जिसके तहत चेम्बर ऑफकॉमर्स के सामने फास्ट फूड की दुकानदारों द्वारा यातायात अवरुद्ध एवं गंदगी फैलाने पर राशि 21000 रूपये का जुर्माना वसूला जाकर वाहन जप्त किये गए। साथ ही सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में किसी भी तरह का यातायात अवरुद्ध एवं गंदगी न कि जाए अन्यथा नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही पुरानी छावनी चौराहा पर यातायात में बाधक हाथ ठेले वालों को हटाया गया।

मेरे लिए हर आवेदन सोने के समानः केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

शेष पृष्ट एक का.....

सिंधिया ने एसपी को गहन जांच के निर्देश दिए और डीएम को तत्काल कार्रवाई करने को कहा और पीड़ित नरेंद्र पांडेय को ढांढस बंधाते हुए कहा कि ''तुम चिंता मत करो, मैं हूँ तुम्हारे साथ!''

जब खुशी से रो पड़ीं गुड्डीबाई, सिंधिया ने गले लगाकर संभाला

इस दौरान एक वाकया यह भी देखने को मिला जब अपनी जमीन वापस मिलने पर गुड्डीबाई खुशी के आँसू नहीं रोक पाई। उन्होंने मंत्री सिंधिया को धन्यवाद दिया कि कैसे उनकी त्वरित कार्रवाई से गुंडों द्वारा कब्जाई गई उनकी जमीन उन्हें वापस मिली। एसडीएम अशोकनगर की सहायता से न केवल कब्जा हटाया गया, बल्कि जनसुनवाई शिविर में ही उन्हें जमीन पट्टे का प्रमाण पत्र भी सौंपा गया, जो अब अमल में आ चुका है। सिंधिया ने गुढ़ीबाई को गले लगाकर दिलासा दिया और आश्वासन दिया कि जनता की रक्षा के लिए वे हमेशा खड़े रहेंगे। इस दौरान सिंधिया ने प्रशासन को जनता से लगातार संवाद बनाए रखने और शासन की योजनाओं को ज़मीनी स्तर तक प्रभावी रूप से पहुँचाने के लिए भी कहा।

गंगा-नर्मदा टूरिज्म कॉरिडोर पर्यटन विभाग की प्राथमिकता : प्रमुख सचिव श्री शुक्ला

- 2047 तक प्रदेश की जीडीपी में 8-10 प्रतिशत का योगदान देगा पर्यटन

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे प्रयागराज,अयोध्या, वाराणसी को मध्यप्रदेश की प्राकृतिक,आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से जोड़ने के लिए पर्यटन विभाग विभिन्न स्तर पर कार्य कर रहा है। गंगा-नर्मदा टूरिज्म कॉरिडोर विकसित करना भी विभाग की प्राथमिकता है। इन पहलों के माध्यम से दोनों राज्यों के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटकों को एक समृद्ध और विविधतापूर्ण अनुभव मिलेगा। उक्त जानकारी प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने नई दिल्ली में आयोजित हुई 'टूरिज्म सस्टेनिबिलिटी समिट' में प्रमुख वक्ता के रूप में दी। श्री शुक्ला ने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की रणनीतिक पहल एवं राज्य के जीडीपी में पर्यटन के योगदान को बढ़ावा देने की रूपरेखा बताई।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया करना, प्रयागराज, काशी,

कि,मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में गंगा-नर्मदा टूरिज्म कॉरिडोर विकसित करने हेतु प्रयासरत है। इसी उद्देश्य से पर्यटन क्षेत्रों में निवेश हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के ट्रेवल एजेंट्स,टूर ऑपरेटर्स व होटल व्यवसायियों सहित अन्य हितधारकों को कार्यशालाओं के माध्यम से उत्तरप्रदेश-मध्यप्रदेश सीमाक्षेत्र के पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। एक दूसरे के राज्यों में प्रचार-प्रसार करना, उत्तरप्रदेश के हितधारकों के लिये परिचय (एफएएम) यात्राएं आयोजित अयोध्या,कानपुर,आगरा सहित अन्य शहरों में प्रचार व ब्रांडिंग जैसे प्रयास किये जा रहे है। इन पहलों के माध्यम से उत्तरप्रदेश में आने वाले पर्यटक सड़क, हवाई या रेल मार्ग से रीवा पहुंचे और वहां से जबलपुर का भ्रमण कर सकेंगे। प्रयागराज से जबलपुर के रास्ते में पर्यटक रीवा के प्राकृतिक सौंदर्य, मैहर माता मंदिर, जबलपुर में धुआंधार जलप्रपात, भेड़ाघाट भी जा सकेंगे। इसके अलावा बांधवगढ़, कान्हा नेशनल पार्क और अमरकंटक की खूबसूरती का अहसास कर सकेंगे। साथ ही राम पथ गमन मार्ग के माध्यम से चित्रकूट को अयोध्या से जोड़ा जा रहा है। बनारस में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने वालों को मध्यप्रदेश में भी ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का लाभ मिल सकेगा।

जीडीपी में बढ़ेगा पर्यटन का योगदान

श्री शुक्ला ने कहा, वर्तमान में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन 3-3.5 प्रतिशत का योगदान देता है, लेकिन 2028 तक, हमारा लक्ष्य इस हिस्सेदारी को 4-5 प्रतिशत तक और 2047 तक, हम इसे 8-10 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। पर्यटन रोजगार सृजन के लिए एक शक्तिशाली माध्यम है। इस क्षेत्र में हर 10 लाख का निवेश लगभग 90 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करता है,जो अन्य उद्योगों में रोजगार सृजन से कहीं अधिक है। हमारा लक्ष्य आर्थिक विकास को गति देते हुए मध्य प्रदेश के लोगों को स्थायी,लाभकारी रोजगार प्रदान करना है।

पवित्र नगरी अमरकंटक में शनि अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने नर्मदा में लगाई डुबकी

- पितरों का किया तर्पण, पीपल पर चढ़ाया जल

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। अमरकंटक पवित्र नगरी में आज चैत्र मास की अमावस्या पर दूर-दूर से आए भक्त श्रद्धालुओं तीर्थ यात्रियों ने पुण्य सलिला मां नर्मदा जी के पावन तट रामघाट पुष्कर बांध एवं आरंडी संगम तट में आस्था की डुबकी लगाई स्नान किया तथा दर्शन कर पूजा दर्शन किया तथा साथ ही भक्त श्रद्धालुओं ने शनि अमावस्या के पावन अवसर पर पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ाया एवं भगवान शनि देव महाराज की प्रतिमा पर जल चढ़ाया पुष्प चढ़ाए तेल चढ़ाया तथा काला तिल काला काला काला उड़द काला वस्त्र एवं सिक्का आदि चढ़ाकर पूरे मनोयोग से धार्मिक भावना के साथ पूजन, आरती, अभिषेक किया तथा अपनी हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना की तथा मन्नत मनौती मांगी,सुबह से ही भक्त श्रद्धालु तीर्थ यात्रियों के द्वारा नर्मदा नदी में स्नान दर्शन पूजन अर्चन का क्रम शुरू हो गया था जो शायं कल तक निरंतर चलता रहा।

मालवा अंचल के जिलों से भारी तादाद में आए भक्तों, श्रद्धालुगणों भी नर्मदा स्नान दर्शन पूजा अर्चन करते रहे

यह भी उल्लेखनीय है कि चैत्र कृष्ण पक्ष की अमावस्या श्राद्ध अमावस्या के पावन अवसर पर भक्त श्रद्धालु गण अपने अपने मृतक प्राणियों का पूरे विधि विधान के साथ पिंडदान तर्पण तथा भगवान विष्णु के प्रतीक पीपल वृक्ष को जल स्नान तथा कलश में जल दान पूजन अर्चन हवन आदि करते रहे तथा गरीब जनों को यथाशक्ति अनुसार अन्नपूर्णा दान एवं अन्य धनराशि का दान करते रहे ताकि मृतक प्राणी को सद्गति मोक्ष गति को प्राप्त हो। विशेष उल्लेखनीय है कि शनि अमावस्या के शुभ अवसर पर पूजन अर्चन दर्शन का विशेष महत्व माना एवं बताया गया है, शनि अमावस्या के अवसर पर लगभग 15 हजार से भी अधिक भक्तों, दर्शनार्थियों ने श्रद्धालुओं तीर्थ यात्रियों ने स्नान किया डुबकी लगाई तथा मंदिर में दर्शन कर पूजन अर्चन किया।

बाल संरक्षण मामलों पर त्वरित व संवेदनशील कार्यवाही हो

बाल भिक्षावृति पर हो आवश्यक कार्यवाही नशा सेवन प्रवृत्ति की रोकथाम के लिए आयोजित हो जागरूकता कार्यक्रम

अनूपपुर। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह एवं डॉ. निवेदिता शर्मा ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सोन सभागार में विभागीय अधिकारियों एवं स्टेक होल्डर्स के साथ समन्वय बैठक की। बैठक में बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन,किशोर एवं बाल संरक्षण के लिए संचालित संस्थाओं एवं गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी,सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप संचालक के.के. सोनी,सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सरिता नायक, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग मंजूषा शर्मा, बाल कल्याण समिति के सदस्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य द्वय ने बैठक में पॉक्सो तथा जेजेबी से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए जिले में दर्ज पाक्सो प्रकरणों की जानकारी प्राप्त कर कहा कि पॉक्सो के प्रत्येक प्रकरण पर सपोर्ट पर्सन नियुक्त किए जांए। किसी भी

प्रकरण में सपोर्ट पर्सन न छूटे इसका विशेष ध्यान रखें। पॉक्सो एक्ट तथा जेजेबी एक्ट के संबंध में प्रशिक्षण तथा इनका वृहद रूप में प्रचार-प्रसार किया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से चर्चा करते हुए उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों से निकलने वाले शत-प्रतिशत बच्चों के प्राथमिक शालाओं में नामांकन कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्कूलों में आयोजित कराए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रम में गुड टच,बैड टच के साथ ही बच्चों से संबंधित कानून एवं नीतियो के संबंध में, चाईल्ड एवं महिला हेल्पलाईन नम्बर आदि जैसे अन्य महत्वपूर्ण जानकारी से भी अवगत कराएं।

बैठक मे संबंधित विभागों से आवासीय विद्यालय, छात्रावास,निजी छात्रावास, सेल्टर होम,बाल गृह, मदरसा,शिशु गृह, बालिका गृह आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि इन संस्थानों में बच्चों को उचित देखभाल, शिक्षा एवं सुविधाएं मिले। सदस्य द्वय ने कहा कि प्रत्येक छात्रावास में सुरक्षा एवं निगरानी की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगवाना सुनिश्चित करें तथा बालिका छात्रावास में अधीक्षक एवं चौकीदार सहित अन्य कर्मचारी महिला ही नियुक्त की जाए।

बैठक में सदस्य द्वय ने जिले में बाल संरक्षण अधिकारो के संबंध में जानकारी लेते हुए पुलिस एवं बाल कल्याण समिति को समन्वय स्थापित करते हुए बाल संरक्षण के मामले में त्वरित और संवेदनशील कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने कहा कि पॉक्सो संबंधी कोई भी प्रकरण अगर थानों में दर्ज होती है, तो इसकी सूचना तत्काल बाल कल्याण समिति को दी जाए। साथ ही निर्धारित प्रपत्र अ एवं ब में इसकी रिपोर्टिंग की जाए। उन्होंने पुलिस थानों में बच्चों की काउंसलिंग के समय पुलिस अधिकारियों से वर्दी न पहन कर सिविल ड्रेस में पूछताछ और काउंसलिंग करने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि समाज में ब?ती हुई नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से युवाओं, विद्यार्थियों एवं समाज को अवगत कराकर नशा सेवन प्रवृत्ति की रोकथाम के लिए जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किए जांए। साथ ही विद्यालयों के 100 मीटर के दायरे में कोई भी नशीले पदार्थों की दुकान न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। यदि दुकान पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए। उन्होंने जिले में बाल भिक्षावृत्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त कर इसमें संलग्न बच्चों को रोकते हुए शिक्षा हेतु विद्यालय में प्रवेश कराने के निर्देश दिए तथा बाल भिक्षावृत्ति कराने वालों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

एक हाथी गोबरी एवं दो हाथी एमपी की सीमा से लगे छ.ग. के मरवाही के जंगल में कर रहे विश्राम

- हाथी को रात भर ग्रामीण अपने इलाकों से भगाते रहे

अनूपपुर। एक हाथी विगत 10 दिनों से अनूपपुर जिले के जैतहरी एवं अनूपपुर तहसील,वन परिक्षेत्र एवं थाना क्षेत्र में निरंतर विचरण कर रहा है वही दो नए हाथी शनिवार की सुबह मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील अंतर्गत चोलना गांव से लगे छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा मरवाही क्षेत्र में पहुंचकर विश्राम कर रहा है जिसके देर रात चोलना गांव में प्रवेश करने की संभावना बन रही है,ग्रामीणों द्वारा पूरी रात अपने इलाके से हाथियों को दूर करने में लग रहे हैं,हाथी द्वारा शाम से पूरी रात ग्रामीणों के खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाता रहा।

विदित है कि एक दांत वाला एक नर हाथी विगत 10 दिनों से छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को एक बार फिर पार करते हुए मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी एवं अनूपपुर तहसील,वन परिक्षेत्र एवं थाना क्षेत्र निरंतर विचरण कर रहा है जो दिन होते ही जंगलों में प्रवेश कर दिन भर विश्राम करने बाद शाम होते ही आहार की तलाश में जंगल से निकल कर 8 से 10 किलोमीटर की दूरी के मध्य स्थित विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर ग्रामीणों के खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाते हुए सुबह होने पर फिर से जंगल में विश्राम करने चला जा रहा है शुक्रवार को पूरे दिन यह एक दांत वाला नर हाथी गोबरी के जंगल में ठहरने बाद शाम 4 बजे जैतहरी-राजेंद्रगाम का मुख्य मार्ग को ठाकुर बाबा के पास से पार करते हुए जंगल में स्थित गोबरार नाला में पानी पीने एवं नहाने बाद शाम 5 बजे फिर से जैतहरी-राजेन्दगाम मुख्य मार्ग पर डिईयो राड के पास से पार मुख्य मार्ग में चलता हुआ गोबरी के जंगल में जाने बाद ठाकुरबाबा के पास स्थित सुखीलाल राठौर के खेत में लगी गेहूं की फसल को कई घंटे तक खाते हुए ग्रामीणों के भगाए जाने पर गोबरी से ठेगरहा से झुरहीतलैया एवं बडवार नाला पार कर देर रात पगना गांव पहुंचकर कुछ किसानों के खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को खाता रहा ग्रामीण द्वारा ट्रैक्टर एवं हो-हल्ला कर इस हाथी को अपने इलाके से बाहर किया जिससे यह ग्राम पंचायत पगना के बांका गांव में स्थित महदोले सिंह,छोटेलाल सिंह के खेतों में देर रात तक फसलों को खाते हुए शनिवार की सुबह बांका से भदराखार होकर फिर से गोबरी मे सुखीलाल राठौर के खेत में लगी गेहूं की फसल को खाता हुआ गोबरी के जंगल में जाकर ठहरा हुआ है वही दो नए मेहमान हाथी शुक्रवार की शाम,रात वन मंडल एवं वन परिक्षेत्र मरवाही के मालाकोट के जंगल में दिनभर ठहरने बाद देर रात चलते हुए शनिवार की सुबह शिवनी बीट के अंतर्गत ग्राम मालाडांड,करहनी के जंगल 2085 में पहुंचकर विश्राम कर रहा है यह क्षेत्र मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी तहसील एवं वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत चोलना की सीमा से 500 मीटर की दूरी पर स्थित है जिससे दोनों हाथियों के शनिवार की देर रात तक चोलना गांव में प्रवेश करने की संभावना बन रही है, वनविभाग के अधिकारी/कर्मचारी हाथी के निरंतर विचरण पर निगरानी करते हुए ग्रामीणों को सचेत एवं सतर्क कर रहे हैं वही हाथी वनविभाग की टीम एवं ग्रामीणों को चकमा देते हुए नए-नए स्थान पर जाकर विचरण कर रहा है।

देवास जिले में बढ़ाएंगे औषधीय खेती का रकबा

- एक जिला, एक औषधीय उत्पाद में अश्वगंधा उगाएंगे देवास जिले के किसान

- दो दिवसीय प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ने सीखे अश्वगंधा की खेती के गुर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। एक जिला, एक औषधीय उत्पाद के तहत देवास जिले में अश्वगंधा की खेती के लिए बड़े पैमाने पर किसानों को तैयार किया जा रहा है। आयुष विभाग अब गांव गांव तक इसके फायदे पहुंचाने के लिए मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित कर रहा है ताकि आम किसानों ओर स्व सहायता समूहों तक अश्वगंधा की अघुनातन और अच्छी बचत देने वाली खेती को सही-सही जानकारी पहुंचाई जा सके।

आयुष विभाग ने संस्था सोलिडरी डाड के साथ विभिन्न विकासखंडों से आए

मास्टर ट्रेनर्स के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इसमें वृद्धि विज्ञान केन्द्र के प्राचार्य डॉ. आर.पी.वर्मा, केविके के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. महेन्द्र सिंह, मनरेगा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण कोषे, कृषि विभाग के लोकेश गंगराडे, उद्यानिकी के अनुविभागीय अधिकारी पी.एन.सेन, सॉलिडरी डाड की पूर्वा दीक्षित, याशिका रघुवंशी, जिला आयुष अधिकारी डॉ. गिर्राज बाथम एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. ममता जूनवाल ने तकनीकी प्रशिक्षण देते हुए मास्टर ट्रेनर्स से आग्रह किया है कि वे अपने विकासखंडों में अधिक से अधिक किसानों तथा स्व सहायता समूहों को औषधीय खेती के लिये तैयार करें। आयुष विभाग की महत्वाकांक्षी देवारण्य योजना में औषधीय पादप बोर्ड मंत्रालय भोपाल ने देवास जिले में अश्वगंधा को विशेष औषधीय उत्पाद के लिये चिन्हांकित किया है। इनके व्यापक प्रचार-प्रसार अभिसरण में विभागों की योजनाएं एवं औषधीय पौधों की खेती, संग्रहण, भंडारण, प्रसंस्करण तथा विपणन आदि विषयों की जानकारी प्रशिक्षण शिविर में दी गयी। प्रशिक्षण शिविर का संचालन मनीष वैद्य ने किया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. मनीष मालवीय, डॉ. केवलराम कुशवाह, डॉ. नेहा कोहली, डॉ. स्नेहा मित्तल, मोहित सिंह खींची, डॉ. भावना परिहार, धर्मेन्द्र बैरागी, पंकजसिंह ठाकुर तथा अशोक यादव आदि ने किया।

मुख्यमंत्री संबल योजना के हितग्राहियों को 1 करोड़ 2 लाख की सहायता राशि हंस्तातरित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। नगर निगम देवास में मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत हितग्राहियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के माध्यम से अनुग्रह सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। उक्त कार्यक्रम में नगर पालिका निगम देवास क्षेत्र के 47 हितग्राहियों को एक करोड़ 2 लाख की सहायता राशि हस्तांतरित की। नगर निगम बैठक हाल मे आयोजित कार्यक्रम में विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने समस्त लाभान्वित हितग्राहियों को शासन के द्वारा प्रदाय राशि का उपयोग अपने परिवार के कल्याण के कार्य हेतु कहा गया। नेता सत्तापक्ष मनीष सेन द्वारा संबल योजना के लाभ बताए। शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ समिती अध्यक्ष शीतल गहलोत द्वारा संबल योजना मे किस प्रकार से मजदूर व उनके परिवार को संबल प्रदाय कर उनके लिए उपयोगी है बताया गया साथ ही नव वर्ष के उपलक्ष में किए जाने वाले जन सेवा ई के वाई सी अभियान के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यक्रम में पार्षद सोनू परमार, भाजपा नेता जितेंद्र जायसवाल सहित सैकडो हितग्राही रहे।

कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड, द्वारा किसान सभा का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। 29 मार्च को त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक,2025 के उपलक्ष्य में कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड देवास के द्वारा किसान सभा

का आयोजन कृषक भारती सेवा केंद्र,देवास पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बालाराम कुमावत जनपद सचिव,देवास विशेष अतिथि धर्मेन्द्र सिंह राजपूत म.प्र.शासन से सम्मानित प्रगतिशील किसान की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के इस अवसर पर लगभग 35 से अधिक किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मण सिंह सोनगरा सेल्स मेन के.बी.एस.के.सिया देवास, के द्वारा किया गया। राहुल पाटीदार क्षेत्रीय प्रतिनिधि उज्जैन द्वारा त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक,2025 व कृभको संस्था की कार्य प्रणाली, संस्था द्वारा समितियों एवं किसानों के हितार्थ के लिए किये जाने वाले कार्यक्रम एवं कृभको द्वारा के विभिन्न उत्पाद जैसे रायजो सुपर,तरल जैव उर्वरक, सिवारिका, प्राकृतिक पोटाश, जिंक सल्फेट आदि के विषय में विस्तृत चर्चा कर उनके उपयोग पर जोर दिया साथ ही साथ उनसे होने वाले लाभों के विषय में चर्चा की। बालाराम कुमावत एवं धर्मेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा क्षेत्र में खाद की सुगमता पूर्वक उपलब्धता के लिए कृभको को धन्यवाद दिया और कृभको के उत्पादों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में आभार लक्ष्मण सिंह सोनगरा के.बी.एस.के. सिया देवास ने माना।

नव संवत्सर: केवल पर्व नहीं, सनातन की प्रामाणिकता को समझने का अवसर भी

- डॉ. राघवेंद्र शर्मा -

नव संवत्सर का महापर्व: गुड़ी पड़वा, वर्ष प्रतिपदा, उगादि, चैत्र मास की नवरात्रि, रामनवमी और फिर हनुमान जयंती। अनेक त्योहारों का यह समूह भारतीय नव वर्ष का उद्घोष तो है ही, एक स्वर्ण अवसर भी है, यह समझने और जानने का कि वास्तव में हमारी भारतीय संस्कृति कितनी पुरातन, गौरवशाली और समृद्धशाली रही है। पहले हम विक्रम संवत्सर की बात करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार आगामी 29 मार्च 2025 की संध्याकाल में 4:27 पर विक्रम संवत् 2082 की वर्ष प्रतिपदा प्रारंभ हो रही है, जो कि अगले दिन यानी 30 मार्च 2025 को मध्यान्ह 12:49 तक रहने वाली है। क्योंकि इस तिथि में सूर्योदय 30 मार्च को होने जा रहा है। फल स्वरुप वर्ष प्रतिपदा का त्योहार 30 मार्च को मनाया जाना सुनिश्चित है। सर्व विदित है कि हम यह त्यौहार सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विक्रम संवत के अनुसार आने वाले नव वर्ष के रूप में मनाते चले आ रहे हैं। इतिहास की मानें तो सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को हराने के बाद उस संवत्सर की स्थापना की थी जो अब 2081 वर्ष पुराना हो चुका है और हम 30 मार्च को संवत्सर 2082 की वर्ष प्रतिपदा का त्यौहार मनाने जा रहे हैं। जहां तक मानवीय सभ्यता की बात है तो इसे समूचे विश्व में ई. सन के माध्यम से आंका जाता है जो अभी 2025 से साक्षात्कार कर रहा है। दुर्भाग्य जनक बात यह है कि पश्चिमी सभ्यता से दिग्भ्रमित अनेक भारतीय विद्वान भी भारतीय सनातन की पुरातनता को भूलकर ई. सन को ही सर्वाधिक पुरानी सभ्यता प्रतिपादित करने में लगे रहते हैं।

आशय यह कि यदि पश्चिमी सभ्यता को आधार मानकर मानवीय समृद्धि का आकलन किया जाए तो वह केवल 2025 साल पुरानी ही प्रमाणित हो पाती है। जबकि भारतीय संवत्सर 2082 यह प्रतिपादित करता है कि हमारे यहां पश्चिमी दुनिया से लगभग 57 साल पहले विक्रम संवत् स्थापित हो चुका था। यह भी इतिहास में दर्ज है कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल इतना समृद्ध और विकसित रहा है, जिसके जीवंत प्रमाण भारत में आज भी मौजूद हैं और इसकी संपन्नता के उदाहरण दुनिया भर में दिए जाते हैं। दिन के उजाले की तरह सहज सत्य है कि सम्राट विक्रमादित्य भारतीय सभ्यता में पहले शासक नहीं थे। उनके पहले भी अनेक सभ्यताएं भारत वर्ष में स्थापित हुईं और उन्होंने अपने ज्ञान एवं अनुभवों से पूरे विश्व को लाभान्वित किया। यदि कलियुग की ही बात की जाए तो हमारी सभ्यता कम से कम 5000 वर्ष पुरानी तो हो ही जाती है। क्योंकि हमारे ग्रंथ बताते हैं कि द्वापर युग के दौरान आज से लगभग 5124 साल पहले कुरुवंशी महाराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक बर्ष प्रतिपदा के दिन ही हुआ था। सब जानते हैं कि पांडवों के स्वर्गारोहण से पूर्व राजा परीक्षित ने भारत का राज्य शासन संभाला वैसे ही कलयुग का प्रारंभ हो गया था। उसी के प्रभाव से वशीभूत होकर राजा परीक्षित ने एक संत के गले में मरा हुआ सर्प डाल दिया था। फल स्वरुप राजा परीक्षित की मृत्यु सर्पदंश के कारण ही हुई थी। इस वर्णन के हिसाब से देखा जाए तो भारतीय सनातन का गौरवशाली एवं समृद्धशाली सभ्यता का इतिहास 5000 वर्षों से भी अधिक पुराना है। केवल कलयुग की ही काल गणना की जाए तो अभी युगाब्ध 5126 प्रचलन में है। इस आधार पर हमारी सभ्यता 5000 सालों से भी अधिक पुरानी हो जाती है। किंतु महाराज युधिष्ठिर को भी भारतीय सभ्यता का प्रथम शासक नहीं माना गया। उनके पहले भी राजा भरत से लेकर पांडू अथवा धृतराष्ट्र तक कुरुवंशियों की अनेक पीढ़ियों ने भारतवर्ष पर शासन किया है। इन सब की गणना की जाए तो तब से लेकर अभी तक भारतीय सभ्यता 8 लाख 64000 सालों का बेहद संपन्न दौर पूरा कर चुकी है। इससे भी पहले त्रेता युग में सूर्यवंशियों की स्वर्णिम आभा भारतीय सनातन को अपने ऐश्वर्य और वैभव से दैदीप्यमान करती रही हैं। जिसमें राजा इक्ष्वाकु से शुरू होकर लव कुश तक के राजा विश्व के बहुत बड़े भूभाग पर शासन करते रहे हैं, जिसमें भारतवर्ष सत्ता का केंद्र बना रहा। उस युग की काल गणना कर ली जाए तो उसे गुजरे हुए अभी तक 12 लाख 96 हजार सालों का समय गुजर चुका है। जबकि सूर्यवंश की शुरुआत सतयुग में ब्रह्मा जी से है। ब्रह्मा जी के पुत्र मरीचि, उनके पुत्र कश्यप और फिर विवस्वान से सूर्यवंश का प्रादुर्भाव माना जाता है। राजा हरिश्चंद्र का प्रसंग इसी कालखंड का प्रामाणिक इतिहास है। हमारे धर्मशास्त्र बताते हैं कि महाराजा हरिश्चंद्र का शासन विश्व की सर्वोत्कृष्ट सभ्यताओं, ऐश्वर्य वैभव का स्थापित प्रमाण है। यानि कि भारतीय सभ्यता सतयुग में भी समृद्धशाली रही, जिसे गुजरे हुए कम से कम 17 लाख 28 हजार वर्ष का समय व्यतीत हो चुका है।

इस प्रकार देखें तो भारतीय सभ्यता स्वतः ही सनातन सिद्ध हो जाती है। सनातन का मतलब जो सृष्टि के प्राकट्य के साथ ही था, आज भी है और सदैव बना रहेगा। विश्व की अन्य सभ्यताएं भले ही बंदरों को मनुष्यों का पूर्वज मानती रही हैं। लेकिन हमारे लाखों साल पुराने वेद, पुराण, शास्त्र यह प्रतिपादित करते हैं कि भारतीय सभ्यता इस ब्रह्मांड के प्राकट्य के साथ ही अस्तित्व में आई और युगों युगों से पूरे विश्व का मार्गदर्शन करती रही। कालांतर में विदेशी लुटेरों, आक्रांताओं ने सोने की चिड़िया के नाम से विश्व प्रसिद्ध भारतवर्ष पर निरंतर आक्रमण किये। उसे लूटा खसोटा तथा हर उस प्रतीक को मिटाने के जी तोड़ प्रयास किए गए, जो भारतीय सभ्यता की सनातनता को प्रमाणित करते रहे। हमारी गौरवशाली और समृद्धशाली संस्कृति को मिटाने के हर संभव प्रयास किए गए। इसके बावजूद भी आज जब खुदाई के दौरान धरती के गर्भ में पुराने विकसित नगर दिखाई देते हैं, तब सत्यता सर्वोच्च गर्जना के साथ उद्घोष करती है कि विश्व में भारत से पुरानी सभ्यता और कोई नहीं। बर्ष प्रतिपदा स्वयं यह बताती है कि वह आज ही का दिन था, जब ब्रह्मा जी द्वारा ब्रह्मांड की सृष्टि की शुरुआत की गई थी। क्योंकि इसी दिन सृष्टि अस्तित्व में आई तो सतयुग की शुरुआत भी वर्ष प्रतिपदा से ही मानी जाती है। वह आज ही का दिन था जब श्री हरि विष्णु जी ने प्रलय के दौरान मत्स्य अवतार लेकर प्रकृति के बीजों का संरक्षण व संवर्धन किया था। यही वह दिन है जब श्री राम ने त्रेता युग में वानर राज बालि का वध किया था।

और भी बहुत सारे शास्त्रीय, पौराणिक, वैदिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक प्रसंग हैं, जो वर्ष प्रतिपदा को प्रमाणिकता प्रदान करते हैं। साथ में यह प्रतिपादित भी करते हैं कि भारतीय संस्कृति का वास्तविक स्वरूप सनातन ही है। जो सृष्टि के प्राकट्य के साथ ही अस्तित्व में थी, वर्तमान में है और भविष्य में सदैव बनी रहेगी। हर भारतीय को इस त्यौहार पर गर्व करना चाहिए। देश विदेश में भारतीय संस्कृति का परचम लहराने वाले सभी सनातनी हिंदुओं अर्थात भारतीयों को वर्ष प्रतिपदा की ढेर सारी बधाइयां और हार्दिक शुभकामनाएं।

मेगा विधिक सहायता शिविर के आयोजन में पहुंचे सुको के न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी

अनेक न्यायमूर्ति मौजूद रहे, लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में बताया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना द्वारा शनिवार को मेगा विधिक सहायता शिविर का आयोजन एस.ए.एफ. ग्राउण्ड मुरैना में किया गया है। उक्त मेगा विधिक साक्षरता शिविर में न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी, जज सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली एवं न्यायामूर्ति श्री चंद्रशेखर, जज राजस्थान उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति श्री जी.एस. अहलूवालिया, जज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं पोर्टफोलियो जज मुरैना, न्यायमूर्ति श्री संजय द्विवेदी, जज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, श्रीमती संगीता मदान, प्रधान जिला न्यायाधीश मुरैना के साथ ही अन्य न्यायाधीशों द्वारा विजिट कर जानकारी ली गई।

मेगा विधिक साक्षरता शिविर में जिला मुख्यालय मुरैना एवं ग्रामीण क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में हितग्राही उपस्थित हुए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लक्ष्य ''न्याय आपके द्वार'' के अन्तर्गत मेगा विधिक साक्षरता शिविर में निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की गई एवं राष्ट्रीय व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाए संबंधी जानकारी जैसे लोक अदालत, मध्यस्थता, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार के संबंध में योजना, बच्चो के मैत्रीपूर्ण व्यवहार के संबंध में योजना, मानसिक रूप से अस्वस्थ्य व्यक्तियो के लिए विधिक सहायता योजना के संबंध में उपस्थित व्यक्तियों को जानकारी जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल मुरैना, पैरालीगल वालेंटियर एवं पैनल लॉयर द्वारा प्रदान की गई। उपरोक्त शिविर में बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे और योजनाओं का लाभ उठाया।

सबलगढ़ पुलिस ने फायरिंग करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

कब्जे से एक कार व दो देशी कट्टे बरामद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दिनांक 27.03.2025 को फरियादी सुभाष मंगल द्वारा थाना सबलगढ़ पर आकर रिपोर्ट की गई कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से वसूली करने के उद्देश्य से उसकी फैक्ट्री के बाहर फायरिंग की घटना कारित की गई। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से थाना हाजा पर अपराध क्रमांक 110/25 धारा 119(1), 296,125,351(3),324 (4) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा घटना की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उक्त अपराध में शामिल आरोपीगण की पतारसी एवं शीघ्र गिरफ्तारी हेतु थाना स्तर पर टीम का गठन किया गया एवं थाना प्रभारी सबलगढ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी सबलगढ़ बी.पी. तिवारी के मार्गदर्शन में कार्य. निरी. राजकुमारी परमार थाना प्रभारी सबलगढ़ द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आस-पास के सीसीटीव्ही कैमरों को चैक किया गया। मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया एवं थाना स्तर पर गठित की गई टीम के साथ आरोपीगण के यथासंभव निवास स्थानों पर दबिश दी गई।

पुलिस के सतत प्रयासों के फलस्वरूप थाना सबलगढ़ पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर बदरैटा की नहर के पास से उक्त अपराध में शामिल 04 आरोपियों को मय घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक-एमपी07 जेडक्यू 6379, 02 देशी कट्टे, 01 जिंदा राउण्ड एवं 02 खाली खोखे जब्त किए गए एवं गिरफ्तारशुदा 04 आरोपियों को माननीय न्यायालय सबलगढ़ पेश किया जाकर माननीय न्यायालय द्वारा जारी आदेश के पालन में आरोपीगण को जेल दाखिल किया गया। उक्त घटना में शामिल शेष 02 आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु भी प्रयास जारी हैं।

अवकाश के दिनों में भी खुला रहेगा निगम कार्यालय

आमजन संपत्तिकर जलकर सहित बकाया राशि जमा कर सकते हैं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शुक्रवार की दोपहर नगर निगम आयुक्त सत्येंद्र धाकरे ने राजस्व अमले सहित नगर निगम के कर्मचारियों व अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान निगम आयुक्त ने सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मार्च माह के कुछ ही दिन शेष बचे हैं। उक्त को दृष्टि रखते हुए शनिवार रविवार को भी नगर निगम कार्यालय खुला रहेगा, जिससे कि संपत्तिकर, जलकर, दुकान किराया के बकायादार शनिवार-रविवार अवकाश के दिन में भी निगम कार्यालय में अपना बकाया जमा कर सकते हैं। राजस्व शाखा के राजस्व प्रभारी दर्शन डंडोतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत में मिलने वाली अधिभार की छूट का फायदा निगम द्वारा मार्च माह में दिया जा रहा शहर के जितने भी संपत्तिकर, जलकर, दुकान किराया के बकायादार हैं वे अपना बकाया निगम कार्यालय में जमा कर छूट का लाभ उठाएं।

विधायक दिनेश गुर्जर के अथक प्रयासों से मुरैना विधानसभा में 4 करोड़ 40 लाख की सड़कें हुईं मंजूर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विधायक दिनेश गुर्जर मुरैना विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनहित कार्यों के लिए शासन से मांग करते आ रहे हैं, उनके अथक प्रयासों से मुरैना विधानसभा में पटिया वाले बाबा करह रोड से मारवाड़ी का पुरा तक रोड राशि 01 करोड़ 20 लाख, टेकरी बिचौला रोड से कल्लू सिंह कंसाना का पुरा तक रोड राशि 01 करोड़ 20 लाख एवं ग्राम पंचायत रंचोली के अन्तर्गत रंचोली मुख्य मार्ग से खटाने के पुरा तक रोड़ राशि 02 करोड़ स्वीकृत हुई है।

मुरैना विधायक द्वारा नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 44 के अंतर्गत छोंदा नदी पर एक आधुनिक पार्क, जिम एवं वोट क्लब बनाया जाए, जिससे मुरैना शहर की जनता को मनोरंजन की सुविधा मिल सके एवं जनहित में विकास कार्यों के लिए मध्य प्रदेश सरकार से मांग कर प्रयास जारी है।

ट्रक ने बाइक सवार दंपत्ति को टक्कर मारी, पत्नी की मौत

जौरा रोड पर श्रीराम पैलेस के सामने हुआ हादसा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। बाइक पर सवार होकर मुरैना से अपनी बुआ के घर टिकटौली जा रहे दंपत्ति को बेकाबू ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति को जख्मी हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा जौरा रोड पर श्रीराम पैलेस के सामने होना बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक मुरैना शहर के गणेशपुरा की तुलसी कॉलोनी में रहने वाला मनोज प्रजापति पुत्र महेन्द्र प्रजापति शनिवार को पत्नी लक्ष्मी प्रजापति को साथ लेकर घर से जौरा क्षेत्र के टिकटौली गांव में रहने वाली बुआ के घर जाने के लिए निकला था। बाइक पर सवार दोनों पति-पत्नी जब जौरा रोड पर श्रीराम पैलेस के सामने से गुजर रहे थे। तभी एक बेकाबू ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार मनोज एवं लक्ष्मी जख्मी हो गए। सूचना मिलने के बाद सिविल लाईन थाना पुलिस मौके पर पहुंचीं और जख्मी मनोज एवं लक्ष्मी को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने लक्ष्मी को मृत घोषित कर दिया। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था।

मुरैना में देवकीनंदन ठाकुर की भागवत कथा कल से

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कथा व्यास श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज की श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन मुरैना में 31 मार्च से 07 अप्रैल तक किया जा रहा है। श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन लेखराज सिंह परमार एवं उनके पुत्रगण बृजेश सिंह, शिव सिंह, प्रमोद सिंह परमार सहित परिजन कर रहे हैं। श्रीमद् भागवत कथा सेल्स टैक्स बैरियर के पास स्थित सागोरिया फार्म हाउस पर 31 मार्च से कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगी। 01 तारीख को कपिल संवाद, सती, ध्रुव चरित्र, 02 अप्रैल को भरत चरित्र, नरसिंह अवतार, वामन अवतार, 03 अप्रैल को श्री रामजन्म, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 04 अप्रैल को श्री कृष्णा बाल लीलाएं, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा, 05 अप्रैल को रुक्मणी विवाह, रस पंचधाई, 06 अप्रैल को द्वारका लीला, सुदामा चरित्र, परीक्षत मोक्ष, व्यास पूजन की कथा सुनाई जाएगी। 07 अप्रैल को हवन, पूजन, भंडारा का आयोजन होगा।

मंदिर जाने वाले रास्तों पर मांस-अण्डा की बिक्री पर रोक लगे

मांग को लेकर विहिप, बजरंग दल ने कलेक्टर के नाम दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नवरात्र महोत्सव सहित हिंदू धर्म के विभिन्न धार्मिक पर्वों को ध्यान में रखते हुए 30 मार्च से 12 अप्रैल तक मंदिर जाने वाले रास्तों पर मीट, मछली और अण्डा के विक्रय पर रोक लगाई जाए।

इस मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की स्थानीय इकाई के तत्वावधान में शनिवार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया गया। इस ज्ञापन में कहा गया है कि 30 मार्च से 12 अप्रैल के बीच नवरात्र महोत्सव, रामनवमी, महावीर जयंती, हनुमान जयंती के पर्व मनाए जाएगें। इन पर्वों के दौरान बड़ी संख्या में हिंदू श्रद्धालु मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते है। इन दिनों में मंदिरों की ओर जाने वाले रास्तों पर मीट, मांस और अण्डा के विक्रय पर रोक लगाई जानी चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला मंत्री धर्मेन्द्र शर्मा, रमाकांत मिश्रा, बालकृष्ण शर्मा, विजय भारती, रामलखन यादव, आशुतोष पाराशर, सुबोध बंसल, सुनील चावला आदि शामिल थे।

कलेक्टर ने डॉ. आरूषि शास्त्री को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रोटरी मेगा कैंप में डेंटल कॉलेज भोपाल से दंत चिकित्सक डॉ आरूषि शास्त्री को कलेक्टर अंकित अस्थाना ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया है। सम्मान प्राप्त करते समय डॉ. अरूषि शास्त्री ने कहा है कि मेरे द्वारा रोटरी कैंप में लगभग 300 मरीजों का परीक्षण किया था। मैं शासकीय दंत चिकित्सक महाविद्यालय इंदौर से पासआउट हूं। मैं मुरैनावासियों को तहेदिल से धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने इतना अच्छा कैंप लगाकर जरूरतमंद लोगों के लिये बेहतर सुविधायें प्रदान की हैं।

10 अप्रैल को मनाया जाएगा भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

विभिन्न आयोजनों के साथ निकलेगी भव्य रथयात्रा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 08 अप्रैल से 10 अप्रैल तक विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव चैत्र शुक्ल त्रयोदशी तदनुसार 10 अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है। महोत्सव की रूपरेखा तैयार करने हेतु विगत दिवस जैन समाज की आम पंचायत में राजेंद्र जैन दयेरी वाले को मुख्य संयोजक एवं मुकेश जैन पलपुरा को संयोजक मनोनीत किया गया। आम पंचायत में सर्वसम्मति से तय हुआ कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव को 08 अप्रैल से 10 अप्रैल तक तीन दिवसीय आयोजन के रूप में मनाया जाएगा। महोत्सव को भव्यता प्रदान करने बाबत आयोजन समिति के मुख्य संयोजक राजेंद्र जैन दयेरी एवं संयोजक मुकेश जैन पलपुरा ने व्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुए एक समिति का गठन किया है। जिसमें जुलूस व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, मंच व्यवस्था, प्रशासनिक व्यवस्था, प्रचार प्रसार व्यवस्थाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं के पृथक पृथक संयोजक मनोनीत किए हैं।

महामाया मंदिर पर आज से प्रारंभ होगा नवदुर्गा महोत्सव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शहर के गोपीनाथ की पुलिया स्थित श्रीमूर्ति महामाया मंदिर पर चैत्र नवरात्र महोत्सव का आयोजन आज 30 मार्च से किया जाएगा। आचार्य पं. बनवारीलाल शर्मा ने बताया कि इस बार चैत्र नवरात्र महोत्सव के दौरान द्वितीय एवं तृतीय नवरात्र एक ही दिन मनाया जाएगा। आज रविवार 30 मार्च को सुबह 5 बजे विधि-विधान से घट स्थापना होगी। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुरेश सिंह राजपूत सहित समिति सदस्यों ने नवरात्र महोत्सव में शामिल होने का आव्हान किया है।

मंत्री कंषाना की छवि बिगाड़ने राजनैतिक विरोधी कर रहे षड्यंत्र

भाजपा कार्यकर्ता बोले-विरोधियों की साजिश करेंगे नाकाम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। वनविभाग द्वारा पकड़े गए रेत से भरे डंपर के मामले को लेकर कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना के विरोधी राजनैतिक द्वेषवश उनकी और उनके पुत्र सहित परिवार की छवि को धूमिल करने का कुत्सित प्रयास कर रहे है। जबकि कृषि मंत्री कंषाना सुमावली सहित मुरैना जिले में सभी वर्गों के कल्याण और विकास के लिए प्राणपण से कार्य करने में जुटे हुए हैं।

यह बात भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक बृजकिशोर डण्डौतिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। श्री डण्डौतिया, शनिवार की सुबह मंत्री श्री कंषाना के निज निवास व्हाईट हाऊस पर भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में मंत्री श्री कंषाना के सुपुत्र कप्तान सिंह कंषाना बंकू भी उपस्थित थे। बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजनैतिक द्वेष की भावना से प्रेरित होकर मंत्री श्री कंषाना के विरोधी लगातार उनकी और उनके परिवारीजनों की छवि को धूमिल करने के लिए षडयंत्र रच रहे है। वन विभाग की टीम द्वारा जिस चंबल की रेत से भरे डंपर को पकड़ा गया। उससे मंत्री श्री कंषाना और उनके पुत्र का कोई संबंध, सरोकार नहीं है। उक्त डंपर क्र. एमपी07-एचबी-3804 परिवहन विभाग में जंडेल सिंह पुत्र हलुका सिंह निवासी ग्राम सामले का पुरा, जाफराबाद, इमलिया के नाम से पंजीकृत है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कहा कि वे भाजपा सरकार के कृषि मंत्री कंषाना के विरुद्ध राजनैतिक विरोधियों द्वारा चलाए जा रहे कुचक्र और उनकी छवि धूमिल करने के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देंगे। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष इंद्रजीत यादव, श्रीमती उमा राजपूत, बदन सिंह यादव, सरदार सिंह गुर्जर, बालकृष्ण शर्मा सांटा, रामेश्वर सिंह गुर्जर, दिलीप डण्डौतिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिलीप मिश्रा, मंडल अध्यक्ष राजपाल यादव, मनोज मिश्रा, अजीत गुर्जर, अमन सिकरवार, विनोद जादौन, भूप सिंह यादव, रिंकू सिकरवार, सुदामा शर्मा, कुंजबिहारी शर्मा, बच्चू सिंह कंषाना, सुल्तान सिंह यादव आदि उपस्थित थे।

सर्व समाज का होली मिलन समारोह कल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। गुर्जर समाज के तत्वावधान में सर्व समाज के होली मिलन समारोह का आयोजन कल 31 मार्च को किया जाएगा। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जितेन्द्र घुरैया ने बताया कि समारोह का आयोजन माधौपुरा स्थित जगदम्बा पैलेस में दोपहर 12 बजे से होगा।

मिलन समारोह में मप्र शासन के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना मुख्य अतिथि होंगे। पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह, पूर्व विधायक रघुराज कंषाना, राकेश मावई, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती गुर्जर, हमीर सिंह पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष गीता हर्षाना, वीरेन्द्र हर्षाना रान्सू, जपं अध्यक्ष मोहर सिंह कंषाना, प्रबल प्रताप मावई, राजेन्द्र कंषाना विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जितेन्द्र घुरैया ने बताया कि मिलन समारोह के आयोजन का उद्देश्य सर्व समाज को एकजुट कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया जाना है। मिलन समारोह का आयोजन गुर्जर विकास संगठन के जिलाध्यक्ष तहसीलदार सिंह बैसला, देवेन्द्र गुर्जर, शिवसिंह गुर्जर, जितेन्द्र डंगस, हरीराम भैंसोरा सहित उनकी समिति के संयोजन में किया जाएगा।

सफलता की कहानी: बेटे का निःशुल्क ऑपरेशन होने से राज के पिता बेहद प्रसन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। राज के पिता बताते हैं कि मैं पेशे से मजदूर हूं मेरे घर में चार सदस्य हैं, उनका गुजर बसर बड़ी मुश्किल से हो पाता है। वह अपने बेटे के रोटरी मेडिकल स्वास्थ्य शिविर में हुए ऑपरेशन से बहुत प्रसन्न हैं। वह कहते हैं कि यही ऑपरेशन प्राइवेट हॉस्पिटल में हुआ होता तो 40 से 50 हजार रुपए खर्च हो जाते। इतने पैसे मेरे पास नहीं थे। मुझे किसी साहूकार से उधार लेकर ही ऑपरेशन कराना पड़ता, किंतु आज रोटरी के सहयोग से मेरे बच्चे का ऑपरेशन हुआ है। मैं अपने बेटे के निःशुल्क ऑपरेशन के लिए रोटरी एवं जिला प्रशासन को धन्यवाद देता हूं।

भारतीय स्त्री जब मर्यादा से बाहर आई तब वीरगाथा लिखी गई: धनराज

नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर हुई महिला संगोष्ठी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नव संवत्सर के आगमन से पूर्व रानी कमलापति न्यास भोपाल द्वारा मुरैना शहर के जीवाजीगंज स्थित गर्ग सेवा सदन में महिला सुरक्षा एवं सम्मान विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में शहर की प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. श्रीमती मीरा बांदिल, समाजसेवी डॉ. श्रीमती नीराज गुप्ता सहित मुख्य वक्ता के रूप में संघ के विभाग प्रचारक धनराज उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदू जागरण मंच के क्षेत्र संयोजक राजीव डण्डौतिया ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभाग प्रचारक धनराज ने कहा कि स्त्री सिर्फ सुंदरता की प्रतिमूर्ति मानी जाने लगी है। वह केवल भोग विलास की बिषय बस्तु बनकर रह गई है। जबकि भारतीय स्त्री जब-जब मर्यादा से बाहर आई तब-तब वीरगाथा लिखी गई तथा विजय की पताखा फहराई गई। भारतीय स्त्री ने वीरत्व और सतीत्व के बल पर देश के पुनर्निर्माण की कहानी लिखने वाले वीरों को जन्म दिया। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज आधुनिकता की अंधी दौड़ में इतने अंधे हो गए हैं कि विज्ञापनों में जो दिखाया जाता है हम अपने घरों में वह सब कुछ लाने और मनाने के लिए अपनी स्वीकृति देते हैं।

कार्यक्रम को राजीव डण्डौतिया ने संबोधित करते हुए कहा कि मोबाइल के लगातार बढ़ते चलन के कारण उसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें रात 10 बजे के बाद मोबाइल को घर के एक स्थान पर रखने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र मुद्गल एवं आभार जिला सह संयोजक दिलीप डण्डौतिया ने किया। अतिथि परिचय जिला संयोजक अवधेश गुप्ता ने कराया। कार्यक्रम की भूमिका महिला सुरक्षा एवं सम्मान आयाम प्रमुख ऋषिकेश उपाध्याय ने रखी।

"विक्रम सम्वत् 2082" भारतीय नववर्ष, सृष्टि आरंभ दिवस एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

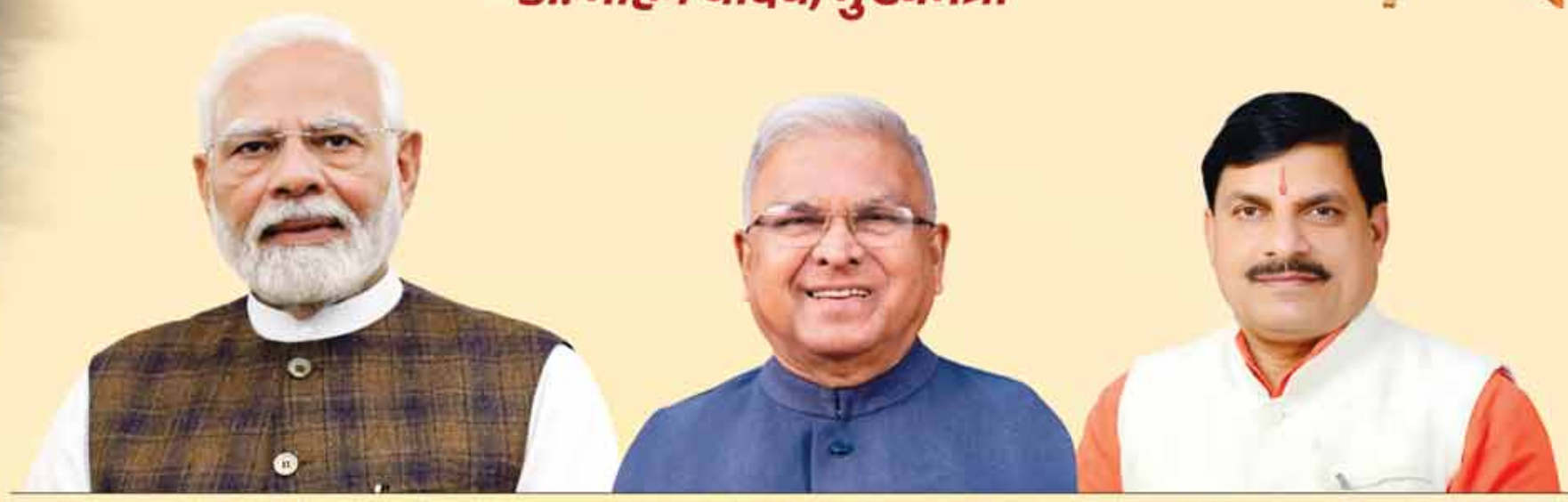

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री | मंगुभाई पटेल, राज्यपाल | डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

विक्रमोत्सव

26 फरवरी से 30 जून 2025

मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. अर्जुनराम मेघवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
विधि एवं न्याय, भारत सरकार

प्रदेश स्तर पर ब्रह्मध्वज स्थापना एवं सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य प्रस्तुति

वीर भारत संग्रहालय का भूमिपूजन
सायं 5:00 बजे, कोठी महल

रुद्र सागर, लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन
सायं 6:30 बजे, श्री महाकाल-महालोक परिसर

सम्राट विक्रमादित्य हेरिटेज होटल का लोकार्पण
सायं 6:00 बजे, महाराजवाड़ा परिसर

30 मार्च, 2025, उज्जैन

जन सहभागिता से जलस्रोतों को सहेजने के लिए
जल गंगा संवर्धन अभियान
शुभारंभ
30 मार्च से 30 जून, 2025
सायं 7:00 बजे, क्षिप्रा तट

'जल दूत' के रूप में सहभागिता के लिए mybharat.gov.in पर पंजीयन करायें

D11218/24

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।